website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 62 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 11 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार संभालेंगी उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में आज एक अहम दिन माना जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजित पवार के निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार मंगलवार को उपमुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभालेंगी। उनके पदभार ग्रहण को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं

और नेताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यभार संभालने से पहले सुनेत्रा पवार मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगी। इसके बाद वह दादर स्थित चैत्यभूमि जाकर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। इस दौरान एनसीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे। धार्मिक और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों के बाद वह औपचारिक रूप से पद संभालेंगी। पार्टी की ओर से उन्हें आबकारी, खेल और अल्पसंख्यक विकास विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शपथ के बाद सुनेत्रा पवार ने भावुक बयान देते हुए कहा कि वह अजित पवार के विचारों और सिद्धांतों की विरासत को आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के लिए काम करना ही उनकी प्राथमिकता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत दुख बहुत बड़ा है, लेकिन कर्तव्य और जनसेवा की भावना उन्हें आगे बढ़ने की ताकत देती है। सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र को न्यायपूर्ण, समानता आधारित और विकसित राज्य बनाने के लिए ईमानदारी से काम करने का संकल्प दोहराया।

ओडिशा में 803 जन औषधि केंद्र खोले गए : अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली। केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि ओडिशा में अब तक कुल 803 जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। इनमें 21 जन औषधि केंद्र सरकारी परिसरों के भीतर संचालित किए जा रहे हैं, जिससे आम लोगों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा विस्तार हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आदिवासी और बाढ़ प्रभावित

जिलों में दवा उपलब्धता बढ़ाने के लिए जन औषधि वैन चलाने का ओडिशा सरकार की ओर से अभी तक कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। मंत्री ने बताया कि ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 और नियम 1945 के तहत दवाओं की खुदरा बिक्री के लिए लाइसेंस केवल निर्धारित स्थायी स्थान के लिए जारी किया जाता है। इसके लिए कोल्ड चेन मेंटेनेंस, तय भंडारण व्यवस्था और आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी होता है। मौजूदा नियमों में मोबाइल यूनिट्स को रिटेल लाइसेंस देने का प्रावधान नहीं है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (PMBJP) के तहत 31 दिसंबर 2025 तक देशभर में 17,990 जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। इनमें से 1,058 केंद्र बिहार में संचालित हैं। इस योजना के तहत 2,110 दवाएं और 315 सर्जिकल व मेडिकल उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जो हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, संक्रमण और एलर्जी सहित कई प्रमुख बीमारियों के इलाज को कवर करते हैं। जन औषधि केंद्र खोलने के लिए उद्यमियों, एनजीओ, ट्रस्ट और निजी संस्थाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। अब तक देश के 767 जिले इस योजना से जुड़ चुके हैं।

ब्रिक्स मंच पर भारत-चीन नज़दीकी के संकेत

नई दिल्ली । गलवान विवाद के बाद भारत और चीन के रिश्तों में आई तल्खी के बीच हाल के महीनों में माहौल कुछ बेहतर होता दिख रहा है। दोनों देशों के बीच रुकी हुई कई सेवाएं धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं। इसी बीच भारत में चीन की राजदूत जू फीहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ब्रिक्स के तहत भारत-चीन सहयोग को लेकर सकारात्मक संदेश दिया है। उन्होंने बताया कि 9 फरवरी को नई दिल्ली में हुई पहली ब्रिक्स शेरपा बैठक में चीन के ब्रिक्स शेरपा और उप विदेश मंत्री मा झाओक्सू ने हिस्सा लिया। बैठक में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ब्रिक्स के हाई-क्वालिटी डेवलपमेंट विज़न पर ज़ोर दिया गया, जिसमें शांति, नवाचार, ग्रीन विकास और इंसानी संपर्क बढ़ाने का मॉडल शामिल है। चीन ने कहा है कि वह भारत की चेयरमैनशिप में ब्रिक्स सहयोग को मज़बूत करने और 18वें शिखर सम्मेलन की तैयारियों में सक्रिय भागीदारी करेगा।

दीया कुमारी पेश करेंगी राजस्थान का बजट, हर वर्ग को साधेगी सरकार

जयपुर। राजस्थान में 11 फरवरी, बुधवार को राज्य का बजट पेश किया जाएगा, जिसे उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दीया कुमारी विधानसभा में प्रस्तुत करेंगी। इस बार के बजट से युवाओं, महिलाओं, किसानों, उद्यमियों और कर्मचारियों समेत हर वर्ग को काफी उम्मीदें हैं। सरकार भी बजट के जरिए सभी तबकों को राहत और नई योजनाओं का संदेश देने की तैयारी में है। सामाजिक संगठनों और विभिन्न समूहों से प्री-बजट चर्चा भी की गई थी। ऐसे में कल आने वाले बजट को लेकर आम लोगों की उम्मीदें और उत्सुकता दोनों बढ़ी हुई हैं।

बजट में युवाओं महिलाओं के साथ शहरी और ग्रामीण विकास

इस बार के बजट में युवाओं और महिलाओं के लिए नई योजनाओं की घोषणा संभव है। साथ ही शहरी और ग्रामीण विकास को लेकर भी कई नई स्कीमें लाई जा सकती हैं। युवाओं के लिए करीब एक लाख नई भर्तियों का ऐलान होने की संभावना जताई जा रही है। कुछ सरकारी भर्तियों में इंटरव्यू प्रक्रिया खत्म करने का फैसला भी लिया जा सकता है, जिससे भर्ती प्रक्रिया आसान और तेज हो सके। नए बजट में पेंशनभोगियों की पेंशन बढ़ाने का प्रावधान किया जा सकता है, ताकि उन्हें आर्थिक मजबूती मिल सके। संविदा कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी की घोषणा भी संभव है। किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाने पर भी सरकार विचार कर सकती है। परिवहन सेक्टर में बड़े फैसले लिए जा सकते हैं, जिनमें रोडवेज के लिए करीब 1000 नई बसें खरीदने की घोषणा शामिल हो सकती है। शहरी क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक बसें चलाने के लिए निकायों को अलग से बजट देने का भी प्रावधान संभव है।

जयपुर के रिंग रोड फेज-टू पर घोषणा

जयपुर रिंग रोड के दूसरे फेज को लेकर बजट में बड़ा ऐलान हो सकता है। आगरा रोड से दिल्ली रोड को जोड़ने के लिए सेकंड रिंग रोड बनाने की योजना पर मुहर लग सकती है। यह प्रोजेक्ट नेशनल हाईवे अथॉरिटी के जरिए पूरा कराया जाएगा और इसका सर्वे पहले ही किया जा चुका है। जयपुर मेट्रो के फेज-2 के पहले पैकेज का काम शुरू करने और उसे पूरा करने के लिए भी बजट में राशि का प्रावधान होने की उम्मीद है। इस पैकेज के तहत प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गोशाला तक मेट्रो लाइन का निर्माण प्रस्तावित है। मेट्रो के अगले चरण और विस्तार योजनाओं पर भी घोषणाएं संभव हैं।

निकाय और पंचायत चुनाव से जुड़े नियमों में भी बदलाव किया जा सकता है। शैक्षणिक योग्यता और दो-संतान की अनिवार्यता वाले नियम में संशोधन पर सरकार फैसला ले सकती है, जिसे चुनावी नजरिए से अहम माना जा रहा है।

बजट में मेडिकल और पैरामेडिकल संस्थानों में सीटें बढ़ाने की घोषणा

स्वास्थ्य क्षेत्र में मेडिकल और पैरामेडिकल संस्थानों में सीटें बढ़ाने का ऐलान हो सकता है। डॉक्टरों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ के खाली पद भरने की घोषणा भी संभव है। राज्य के मेडिकल और पैरामेडिकल कॉलेजों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। नए मेडिकल कॉलेजों का काम पूरा कर हर जिले में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ सकते हैं। नए अस्पताल खोलने और पुराने अस्पतालों को अपग्रेड करने की योजना भी बजट में शामिल हो सकती है। नए पीएचसी, सीएचसी, उप जिला अस्पताल और जिला अस्पताल बनाने के साथ सुविधाएं बढ़ाने पर भी जोर रहेगा। जर्जर भवनों में चल रहे स्कूलों के लिए नए भवन बनाने का अलग प्रावधान किया जा सकता है। सरकारी स्कूलों की मरम्मत के लिए विशेष अभियान चलाने और नए स्कूल भवन बनाने की घोषणा भी संभव है।

ये घोषणाएं भी हो सकती हैं-

संभाग मुख्यालयों पर चरणबद्ध तरीके से पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू करने का ऐलान हो सकता है।
शहरों में पिंक बसों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
महिला औद्योगिक पार्क स्थापित करने की घोषणा संभव है।
प्रदेश के बाहर भी मुफ्त इलाज की सुविधा देने का प्रावधान किया जा सकता है।
खिलाड़ियों और महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू हो सकता है।
स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर सैनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगाने की योजना लाई जा सकती है।
मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मेडिसिटी प्रोजेक्ट की घोषणा संभव है।
हर ब्लॉक स्तर पर डायग्नोस्टिक सेंटर और डायलिसिस सुविधा शुरू करने का लक्ष्य रखा जा सकता है।
मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना में चयनित युवाओं की संख्या बढ़ाने पर भी फैसला लिया जा सकता है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव, 118 सांसद आए एकसाथ

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है। विपक्ष के 118 सांसद इस प्रस्ताव के समर्थन में एक साथ खड़े हुए हैं। मंगलवार को कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की अगुआई में यह प्रस्ताव नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंप दिया गया। इस कदम के बाद संसद के भीतर सियासी माहौल और गरम हो गया है। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश, सांसद मोहम्मद जावेद और अन्य विपक्षी सदस्यों ने संयुक्त रूप से नोटिस जमा कराया। प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके सहित कई विपक्षी दलों के कुल 118 सांसदों के हस्ताक्षर बताए जा रहे हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इस प्रस्ताव में विपक्ष के साथ शामिल नहीं हुई है। यह नोटिस संविधान के अनुच्छेद 94 (सी) के तहत दिया गया है। हाल के दिनों में सदन की कार्यवाही को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ा है।

दो फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख एम.एम. नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़ा मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं मिलने पर विवाद हुआ था। इसके अलावा सदन की अवमानना के मामले में आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन और अन्य मुद्दों को लेकर भी गतिरोध बना हुआ है। विपक्ष का आरोप है कि उसे सदन में बोलने का पर्याप्त मौका नहीं दिया जा रहा, जबकि सत्तापक्ष को खुली छूट मिल रही है।

क्या है स्पीकर को हटाने की प्रक्रिया

लोकसभा स्पीकर को हटाने की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 94 और लोकसभा के कामकाज से जुड़े नियमों के अनुच्छेद 200 के तहत तय है। स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव में आरोपों का स्पष्ट और सीधा उल्लेख होना जरूरी होता है, इसमें अनुमान या व्यंग्य की गुंजाइश नहीं होती। नियमों के अनुसार नोटिस दिए जाने के बाद इसे कार्यसूची में दर्ज किया जाता है। लोकसभा सचिवालय प्रस्ताव पर चर्चा की तारीख तय करता है और यह तारीख नोटिस मिलने के 14 दिनों के भीतर निर्धारित की जाती है। प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम 50 सांसदों का समर्थन जरूरी होता है। लोकसभा में बहुमत से प्रस्ताव पारित होने पर ही स्पीकर को पद से हटाया जा सकता है।

लोकसभा में अखिलेश यादव का हमला:

'जिन्होंने गोली चलवाई, वही राम मंदिर बनवा रहे हैं'

नई दिल्ली । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लोकसभा में राम मंदिर मुद्दे को लेकर बड़ा बयान देते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। मंगलवार (10 फरवरी 2026) को सदन की कार्यवाही के दौरान कार सेवकों पर गोली चलाने के पुराने मुद्दे का जिक्र हुआ, जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा, "सभापति महोदय, जिन्होंने गोली चलवाई वही राम मंदिर बनवा रहे हैं। अगर जानकारी न हो तो जाकर पूछ लेना, आधी-अधूरी जानकारी लेकर मत आया करो।" उनके इस बयान पर सदन में हलचल भी देखने को मिली। अखिलेश यादव ने मनरेगा का नाम बदलकर "वीबी राम जी" किए जाने के मुद्दे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नाम बदलने से ज़मीनी हकीकत नहीं बदलती। उनका आरोप था कि यूपी जैसे बड़े राज्य की करीब एक हजार ग्राम सभाएं शहरी क्षेत्र में शामिल हो गई हैं और योजना का 40 प्रतिशत

खर्च राज्य सरकारों पर डाल दिया गया है, जिससे योजना के संचालन पर असर पड़ेगा। किसानों की आय दोगुनी करने के वादे पर भी सपा प्रमुख ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का दावा किया गया था, लेकिन आलू और धान उत्पादक किसानों की हालत में कोई बड़ा सुधार नजर नहीं आता। इसके साथ ही उन्होंने यूपी के पहले काऊ मिल्क प्लांट को बंद किए जाने का मुद्दा भी उठाया और तंज कसते हुए कहा कि अगर वहां ऊंट के दूध की चॉकलेट बनती तो शायद प्लांट बंद नहीं होता।

तेजस्वी यादव का नीतीश कुमार पर हमला, 'जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया इससे तो...'

पटना। बिहार में बजट सत्र के दौरान सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिल रहा है। मंगलवार (10 फरवरी, 2026) को विधान परिषद में विपक्ष के भारी विरोध के बाद सभापति ने पूरे दिन के लिए विपक्षी सदस्यों को सदन से बाहर कर दिया। इसी बीच बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा, "बिहार में अपराध लगातार बढ़ रहा है। छोटी बच्चियों के साथ गैंगरेप की घटनाएं सामने आ रही हैं। नीट से जुड़ा मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दरभंगा में नई घटना हो गई। कई जिलों से ऐसे मामले आए हैं। इन मुद्दों को लेकर हमने सदन में सवाल उठाया। राबड़ी देवी ने भी सवाल किया, लेकिन जवाब देने के बजाय मुख्यमंत्री ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, उससे लोगों का मनोबल और बढ़ता है।" मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार का काम घटनाओं को रोकना और जवाब देना है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति को संयमित भाषा का उपयोग करना चाहिए और इस तरह के शब्दों से बचना चाहिए।

'बहुत कमजोर मुख्यमंत्री है...'

पत्रकारों ने जब उनसे उनके उस ट्वीट को लेकर सवाल किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री को डिमेंशिया है और इस्तीफा दे देना चाहिए, तो तेजस्वी यादव ने कहा, "इलाज कराने के लिए वे विदेश भी गए थे। उम्र बढ़ने के साथ बीमारियां भी बढ़ती हैं। हम व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करना चाहते, लेकिन जो हालात दिख रहे हैं, वह चिंता का विषय है।" उन्होंने आगे कहा कि सदन में मुख्यमंत्री का माइक बंद कर दिया गया, जिससे लगता है कि उन्हें कहीं और से गाइड किया जा रहा है। "पीछे लोग इशारा करते हैं कि अब मत बोलिए, लाइन काट दीजिए। इससे लगता है कि मुख्यमंत्री बहुत कमजोर स्थिति में हैं।"

'कयामत तक बाबरी के ढांचे का पुनर्निर्माण नहीं होगा', बाराबंकी में बोले CM योगी

यूपी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी में आयोजित एक कार्यक्रम में बाबरी ढांचे को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कयामत के दिन तक भी बाबरी मस्जिद के ढांचे का पुनर्निर्माण नहीं होगा। सीएम ने कहा कि जो लोग कयामत के दिन का इंतजार कर रहे हैं, उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि जो कहा था, वह करके दिखाया गया। सीएम योगी ने कहा, "हमने कहा था रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे — और आज मंदिर वहीं बन चुका है। अब फिर कह रहे हैं कि कयामत तक बाबरी ढांचे का पुनर्निर्माण नहीं होगा। हमारी सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है, और जितना करती है उतना ही बोलती है।"

कयामत का सपना देखने वाले सड़-गल जाएंगे — सीएम

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वे ऐसे ही खत्म हो जाएंगे, वह दिन कभी आने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत और

सनातन परंपरा का सम्मान करते हुए सरकार आगे बढ़ती रहेगी और सांस्कृतिक गौरव को मजबूत किया जाएगा।

केसरिया ध्वज भारत के गौरव को आगे बढ़ाता रहेगा — सीएम

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 नवंबर को अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर परिसर में केसरिया ध्वज फहराया था, जो सनातन परंपरा और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह ध्वज आगे भी भारत की पहचान और आस्था का संदेश देता रहेगा।

16 करोड़ परिवारों को हर साल दी जा रही पेंशन — सीएम

बाराबंकी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मंत्री, बीजेपी कार्यकर्ता और संत समाज के लोग मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 16 करोड़ परिवारों को हर साल पेंशन का लाभ दिया जा रहा है और विभिन्न सामाजिक योजनाएं लगातार चलाई जा रही हैं।

सनातन धर्म पर होने वाले प्रहार से सजग रहना होगा — सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और सनातन धर्म एक-दूसरे के पूरक हैं और इन्हें अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म पर हो रहे हमलों को लेकर समाज को सजग और सचेत रहने की जरूरत है। उनके मुताबिक कुछ ताकतें भारत के विकास से खुश नहीं हैं और साजिशों में लगी हैं। कुछ लोग साजिश रचते हैं, कुछ उसका शिकार होते हैं और कुछ लोग जानबूझकर उसमें शामिल हो जाते हैं। ऐसे तत्वों से निपटने के लिए समाज को तैयार रहना होगा।

नितेश राणे ने फिर छोड़ा बयान का तीर, 'सलमान खान उद्धव ठाकरे से ज्यादा...'

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। अपने तीखे और विवादित बयानों के लिए सुर्खियों में रहने वाले राणे ने इस बार शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान उन्हें उद्धव ठाकरे से ज्यादा "हिंदू" लगते हैं। उनके इस बयान के बाद राज्य की सियासत में नई बहस छिड़ गई है। दरअसल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित एक कार्यक्रम का जिक्र करते हुए नितेश राणे ने कहा, "मैं खुद मोहन भागवत के कार्यक्रम में मौजूद था। सलमान खान ने हिम्मत दिखाई और कार्यक्रम में आए। उद्धव ठाकरे राहुल गांधी के सामने अपने पिताजी को हिंदूहृदय सम्राट कहने की हिम्मत भी नहीं रखते।" इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

राज ठाकरे पर जमकर बरसे नितेश राणे

भाषा विवाद को लेकर दिए गए RSS प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे की आपत्ति के बाद नितेश

राणे ने उन पर भी हमला बोला। राणे ने कहा, "मैं उस कार्यक्रम में मौजूद था। मोहन भागवत ने किसी भाषा का अपमान नहीं किया। राज ठाकरे को गलत जानकारी दी गई है। जो बात उन्होंने मोहन भागवत के बारे में कही, वही AIMIM वालों के लिए भी कहें। मालेगांव पर बोलने की हिम्मत क्यों नहीं दिखती?" उन्होंने आगे सवाल उठाते हुए कहा, "जब मुंब्रा में AIMIM की पार्षद हिंदी में बोलती है, तब राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे कहां थे?" गौरतलब है कि राज ठाकरे ने मोहन भागवत के भाषा संबंधी बयान को लेकर नाराजगी जताई थी और आंदोलन को 'बीमारी' कहे जाने पर आपत्ति दर्ज की थी।

उद्धव गुट का तंज — सलमान खान को लोकप्रियता के कारण बुलाया गया

इस पूरे विवाद के बीच शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि सलमान खान को उनकी लोकप्रियता की वजह से कार्यक्रम में बुलाया गया, ताकि भीड़ जुटाई जा सके। राउत ने सवाल उठाया कि क्या भविष्य में मुस्लिम समाज के अन्य लोगों के लिए भी RSS के मंच और शाखाएं खुली रहेंगी। इस बयानबाजी के बाद राजनीतिक बयान युद्ध और तेज होने के संकेत हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

तेज विकास का रास्ता: खेती से जुड़े उद्यमों और पशुपालन को बढ़ावा जरूरी

तेज आर्थिक विकास के लिए भारत को खेती से जुड़े कामों का दायरा बढ़ाना ही होगा। सिर्फ परम्परागत फसल उत्पादन के भरोसे किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत नहीं किया जा सकता। आज जरूरत इस बात की है कि खेती के साथ पशुपालन, डेयरी, पोल्ट्री, मत्स्य पालन, बागवानी और फूड प्रोसेसिंग जैसे जुड़े हुए क्षेत्रों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। यही सेक्टर किसानों की आमदनी बढ़ाने और रोजगार के नए मौके पैदा करने में अहम किरदार निभा सकते हैं। हाल के समय में अमेरिकी पशु चारे के आयात को लेकर कुछ शंकाएं जताई जा रही हैं, लेकिन हकीकत यह है कि इससे नुकसान से ज्यादा फायदा होने की संभावना है। देश में कुल लगभग 500 लाख टन पशु आहार की जरूरत होती है और प्रस्तावित अमेरिकी चारे का आयात इसका सिर्फ करीब एक प्रतिशत ही होगा। यानी यह घरेलू बाजार को प्रभावित करने वाला बड़ा हिस्सा नहीं है, बल्कि पूरक सप्लाई के रूप में काम करेगा। इससे चारे की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों पर दबाव कम होगा। अमेरिकी फीड की खासियत यह है कि वह एथेनॉल उत्पादन की प्रक्रिया के बाद बचने वाले अवशेष से तैयार होता है। अनाज के स्टार्च से एथेनॉल बनाने के बाद जो घुलनशील तत्वों वाला अंश बचता है, वह प्रोटीन से भरपूर होता है। इसी से पशु आहार तैयार किया जाता है। चूंकि यह बाय-प्रोडक्ट होता है, इसलिए इसकी लागत कम पड़ती है। सस्ता होने के साथ-साथ यह पशुओं के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। भारत में अभी परम्परागत रूप से सरसों, मूंगफली और चावल की खली जैसे स्रोतों से चारा दिया जाता है, लेकिन उनकी कीमतें कई बार ज्यादा हो जाती हैं और पोषण संतुलन भी हमेशा बेहतर नहीं होता। अमेरिका लाल ज्वार का बड़ा उत्पादक है, जो पशु चारे का अच्छा स्रोत माना जाता है। अगर यह भारत को प्रतिस्पर्धी दरों पर मिलता है, तो डेयरी और पशुपालन से जुड़े किसानों की लागत घट सकती है। लागत कम होने का सीधा असर दूध, अंडे और मांस उत्पादन की कीमतों पर पड़ेगा, जिससे उपभोक्ता और उत्पादक दोनों को राहत मिलेगी। जहां तक सोयाबीन तेल का सवाल है, भारत पहले से ही अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता रहा है। ब्राजील, अर्जेंटीना और अन्य देशों से खाद्य तेल आयात करना कोई नई बात नहीं है। साथ ही सरकार लगातार किसानों को तिलहन और दलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन भी दे रही है। बेहतर बीज, न्यूनतम समर्थन मूल्य और तकनीकी मदद के जरिए घरेलू उत्पादन बढ़ाने की कोशिश जारी है। आयात और घरेलू उत्पादन दोनों साथ-साथ चल सकते हैं, बशर्ते नीति संतुलित हो। अगर भारत को सचमुच तेज रफ्तार से आगे बढ़ना है तो खेती पर निर्भर आबादी का बोझ कम करना होगा और उन्हें कृषि से जुड़े दूसरे उद्यमों में लगाना होगा। पशुपालन, डेयरी, पोल्ट्री, मत्स्य पालन और बागवानी ऐसे क्षेत्र हैं जहां कम जमीन में भी ज्यादा आमदनी संभव है। इसके अलावा अर्ध-पैकेज्ड और पैकेज्ड फूड, वैल्यू एडेड उत्पाद, कोल्ड चेन और फूड प्रोसेसिंग उद्योग ग्रामीण इलाकों में नई आर्थिक ताकत बन सकते हैं।

अमेरिका–ईरान तनाव फिलहाल धमकियों तक सीमित, युद्ध की आशंका क्यों कम और दबाव की रणनीति क्यों ज्यादा सक्रिय दिख रही

-स्पष्ट लक्ष्य की कमी, राजनीतिक जोखिम और असर से दोनों पक्ष टकराव से बच रहे

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन समय-समय पर यह टकराव अचानक सुर्खियों में आ जाता है और दुनिया भर में यह सवाल उठने लगता है कि क्या अब युद्ध तय है। हाल के घटनाक्रमों और बयानों को देखकर कई लोग मानते हैं कि अमेरिका की ओर से दी जा रही कड़ी चेतावनियां और सख्त बयानबाज़ी फिलहाल दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं, न कि तत्काल सैन्य कार्रवाई का संकेत। यह आकलन पूरी तरह बेबुनियाद भी नहीं है। दरअसल इस पूरे टकराव पर अनिश्चितता का साया ज्यादा है—और यही अनिश्चितता दोनों पक्षों के व्यवहार को तय कर रही है। आज की स्थिति में अमेरिका और ईरान दोनों एक-दूसरे की ताकत, सीमाओं और संभावित जवाबी कदमों को भली-भांति समझते हैं। यही वजह है कि शब्दों का युद्ध तो तेज है, लेकिन असली युद्ध की दहलीज पर दोनों कदम नाप-तोल कर रख रहे हैं।

ईरान का अड़ियल रुख: सत्ता बचाना सबसे बड़ा मकसद

ईरान लंबे समय से आर्थिक प्रतिबंधों, अंतरराष्ट्रीय अलगाव और अंदरूनी विरोध का सामना कर रहा है। महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक असंतोष ने वहां की अवाम के एक हिस्से को नाराज़ किया है। इसके बावजूद ईरान का सत्ता-तंत्र झुकने को तैयार नहीं दिखता। इसका मुख्य कारण है—हुकूमत की स्थिरता को हर कीमत पर बचाए रखना। तेहरान में बैठे सत्ता-कुलीनों का मानना है कि बाहरी दबाव में झुकना, अंदरूनी मुश्किलें सहने से ज्यादा खतरनाक है। वहां की राजनीतिक सोच में यह धारणा गहरी है कि अगर एक बार बाहरी ताकत के सामने झुकाव दिखा दिया गया, तो यह पतन की शुरुआत बन सकता है। इसलिए ईरान की नीति अक्सर "प्रतिरोध" के नैरेटिव पर टिकी रहती है—चाहे हालात कितने भी कठिन क्यों न हों। यह भी देखा गया है कि जब किसी देश पर बाहरी दबाव बढ़ता है, तो वहां की सरकारें अंदरूनी असहमति को "विदेशी साजिश" बताकर दबाने की कोशिश करती हैं। इससे दो फायदे होते हैं—एक, जनता का ध्यान असली मुद्दों से हटता है; दूसरा, सख्त कदम उठाने को जायज़ ठहराने का मौका मिल जाता है। ईरान में भी कई बार ऐसा होता दिखाई देता है।

क्या अमेरिका के पास हमले की ठोस वजह है?

किसी भी बड़े सैन्य अभियान के लिए सिर्फ गुस्सा या बयानबाज़ी काफी नहीं होती। अमेरिका जैसे देश के लिए तो खास तौर पर एक स्पष्ट कानूनी, राजनीतिक और रणनीतिक आधार जरूरी होता है। इराक युद्ध का अनुभव अभी भी अमेरिकी नीति-निर्माताओं के ज़हन में ताज़ा है, जहां "खतरनाक हथियारों" के नाम पर युद्ध शुरू हुआ, लेकिन बाद में वह दावा कमजोर साबित हुआ। ईरान के मामले में अमेरिका के सामने यही चुनौती है—क्या उसके पास ऐसा ठोस सबूत और स्पष्ट लक्ष्य है, जिसके आधार पर वह युद्ध का जोखिम उठाए? अब तक की स्थिति बताती है कि अमेरिका की रणनीति "अधिकतम दबाव" (maximum pressure) की रही है—प्रतिबंध, कूटनीतिक अलगाव, और क्षेत्रीय घेराबंदी—लेकिन सीधे युद्ध की दिशा में निर्णायक कदम नहीं। सैन्य धमकियां कई बार सौदेबाज़ी का औजार होती हैं। इनका मकसद सामने वाले पक्ष को बातचीत की मेज़ पर लाना या उसकी गतिविधियों को सीमित करना होता है। जब तक साफ राजनीतिक लक्ष्य तय न हो—जैसे सत्ता परिवर्तन, परमाणु कार्यक्रम पर पूर्ण रोक, या क्षेत्रीय प्रभाव कम करना—तब तक सैन्य कार्रवाई व्यावहारिक रणनीति नहीं बन पाती।

सत्ता परिवर्तन: क्या बाहर से संभव है?

कुछ हलकों में यह धारणा रहती है कि बाहरी दबाव या सैन्य कार्रवाई के जरिये ईरान में सत्ता परिवर्तन कराया जा सकता है। लेकिन इतिहास इस सोच का समर्थन नहीं करता। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान के उदाहरण बताते हैं कि बाहर से थोपी गई राजनीतिक तब्दीलियां अक्सर लंबे अराजक दौर को जन्म देती हैं। सत्ता परिवर्तन तभी टिकाऊ होता है, जब उसके पीछे व्यापक घरेलू समर्थन हो। ईरान में विरोध प्रदर्शन जरूर हुए हैं, लेकिन वे अब तक इतने व्यापक और संगठित नहीं रहे कि पूरे शासन ढांचे को पलट दें। ऐसे में बाहरी हस्तक्षेप से बदलाव लाने की कोशिश क्षेत्रीय अस्थिरता को और बढ़ा सकती है। वॉशिंगटन की बहस में यह सवाल अक्सर दब जाता है कि "उसके बाद क्या?"—अगर सैन्य कार्रवाई होती है और मौजूदा ढांचा टूटता है, तो नया ढांचा कौन खड़ा करेगा? किसके भरोसे? यही अनिश्चितता अमेरिका को सावधान रखती है।

युद्ध की असली कीमत: नैतिक और रणनीतिक सवाल

आधुनिक युद्ध सिर्फ दो सेनाओं के बीच नहीं होते—उनकी मार सबसे ज्यादा आम नागरिकों पर पड़ती है। बुनियादी ढांचे का नाश, शरणार्थियों का संकट, खाद्य और दवा की कमी, और सामाजिक विघटन—ये सब युद्ध के स्थायी दुष्परिणाम हैं।

बड़े रणनीतिक विशेषज्ञ बार-बार कहते हैं कि ऐसी जीत, जो भारी मानवीय त्रासदी पर टिकी हो, अपनी नैतिक वैधता खो देती है। वह क्षेत्र को स्थिर नहीं करती, बल्कि नए संघर्षों के बीज बोती है। इराक इसका प्रमुख उदाहरण है—तेज़ सैन्य सफलता के बाद लंबा राजनीतिक संकट, सांप्रदायिक हिंसा और क्षेत्रीय अस्थिरता सामने आई। इसलिए आज की दुनिया में सैन्य कार्रवाई का फैसला सिर्फ ताकत के आधार पर नहीं, बल्कि उसके दीर्घकालिक असर को देखकर लिया जाता है।

ईरान की असममित (Asymmetric) रणनीति

एक बड़ी गलतफहमी यह है कि किसी देश को अमेरिका के लिए गंभीर खतरा बनने के लिए उसकी सैन्य ताकत के बराबर होना पड़ेगा। हकीकत इसके उलट है। ईरान ने अपनी प्रतिरोधक रणनीति को "असममित" ढंग से विकसित किया है—यानि कम संसाधनों से ज्यादा असर पैदा करना। ईरान के पास ऐसे साधन हैं जिनसे वह सीधे युद्ध में उतरे बिना भी बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है: खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों को बाधित करना, ड्रोन और मिसाइलों से सीमित लेकिन प्रतीकात्मक हमले, क्षेत्रीय सहयोगी समूहों के जरिये दबाव, साइबर हमले, ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करना, हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल गुजरता है। वहां किसी भी तरह की बाधा वैश्विक बाजार को झटका दे सकती है। तेल की कीमतें बढ़ेंगी, शेयर बाजार गिरेंगे, और वैश्विक महंगाई पर असर पड़ेगा। यह दबाव सैन्य टकराव से कम प्रभावी नहीं होता। ईरान को अमेरिका को हराने की जरूरत नहीं—उसे सिर्फ इतना करना है कि किसी भी हस्तक्षेप की राजनीतिक और आर्थिक कीमत असहनीय बना दे।

अमेरिका की हिचकिचाहट: सिर्फ डर नहीं, गणित भी

अमेरिका की सावधानी को सिर्फ कमजोरी मान लेना सही नहीं होगा। यह एक रणनीतिक गणित भी है। अमेरिका कई मोर्चों पर व्यस्त रहता है—एशिया-प्रशांत, यूरोप, मध्य-पूर्व—और हर जगह सीधे युद्ध में उतरना उसके लिए व्यावहारिक नहीं। इसके अलावा अमेरिकी जनता भी लंबे विदेशी युद्धों से थक चुकी है। अफगानिस्तान और इराक के अनुभवों ने घरेलू राजनीति को बदल दिया है। अब बिना स्पष्ट मकसद और समयसीमा के किसी युद्ध के लिए समर्थन जुटाना आसान नहीं।

युद्ध का मतलब होगा: भारी सैन्य खर्च, सैनिकों की तैनाती, क्षेत्रीय सहयोगियों की सुरक्षा, तेल बाजार में उथल-पुथल, घरेलू राजनीतिक दबाव, इन सबको देखते हुए अमेरिका फिलहाल दबाव, प्रतिबंध और कूटनीतिक घेराबंदी के रास्ते को तरजीह देता दिखता है।

धमकियां बनाम वास्तविक युद्ध

इतिहास बताता है कि युद्ध अक्सर ऊंची आवाज वाली धमकियों से नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्यों और मजबूर हालात से शुरू होते हैं। जब किसी पक्ष को लगता है कि अब उसके पास विकल्प खत्म हो रहे हैं, तभी वह निर्णायक कदम उठाता है। ईरान के मामले में फिलहाल अमेरिका के लक्ष्य पूरी तरह स्पष्ट नहीं दिखते।

क्या उद्देश्य सिर्फ परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना है? या क्षेत्रीय प्रभाव कम करना? या सत्ता परिवर्तन? जब लक्ष्य ही धुंधला हो, तो सैन्य कार्रवाई जोखिम भरा दांव बन जाती है।

बंगाल 2026 चुनाव में ममता बनर्जी की सियासी परीक्षा, घुसपैठ मुद्दा बदल सकता जीत हार का गणित पूरे राज्य में

-कांग्रेस-वाम अलग, चतुष्कोणीय मुकाबला, भाजपा और तृणमूल दोनों के लिए चुनौती बढ़ी इस बार स्पष्ट

पश्चिम बंगाल की सियासत एक बार फिर उबाल पर है। 2026 के विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन राजनीतिक ज़मीन अभी से गरम हो चुकी है। इस बार मुकाबला सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि नैरेटिव की जंग का भी है। घुसपैठ, नागरिकता, मतदाता सूची, अल्पसंख्यक वोट बैंक, टूटते गठबंधन और बदलते चुनावी गणित—ये सारे फैक्टर मिलकर चुनाव को बेहद दिलचस्प और अनिश्चित बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए यह चुनाव सिर्फ एक और कार्यकाल पाने का मौका नहीं, बल्कि उनकी पूरी राजनीतिक विरासत की अग्नि परीक्षा जैसा है। हाल में कांग्रेस द्वारा वाम मोर्चे से अलग होकर बंगाल की सभी 294 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने के फैसले ने चुनावी तस्वीर को चतुष्कोणीय बना दिया है। कांग्रेस के महासचिव और बंगाल प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने साफ कहा—"हमने अकेले चलने का फैसला किया है, यह शीर्ष नेतृत्व का सामूहिक निर्णय है।" इस एक फैसले ने बंगाल की राजनीति के समीकरण बदल दिए हैं। अब मुकाबला तृणमूल कांग्रेस, भाजपा, वाम दल और कांग्रेस—चार ध्रुवों के बीच दिख रहा है। सवाल है—क्या यह बिखराव ममता बनर्जी के लिए राहत बनेगा या जोखिम?

तृणमूल की ताकत और चुनौती

2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 48% वोट शेयर के साथ 215 सीटें जीतकर जोरदार वापसी की थी। भाजपा ने भी उसी चुनाव में अभूतपूर्व उछाल दिखाया—उसका वोट शेयर 2016 के लगभग 10% से बढ़कर 38% पहुंच गया और सीटें 3 से बढ़कर 77 हो गईं। यानी बंगाल में भाजपा अब हाशिए की पार्टी नहीं, मुख्य चुनौती बन चुकी है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत उनका जमीनी नेटवर्क, महिला मतदाताओं में पकड़, और अल्पसंख्यक वोटों पर मजबूत पकड़ मानी जाती है। राज्य के करीब 30–35% अल्पसंख्यक वोट बैंक का बड़ा हिस्सा अब तक तृणमूल के साथ रहा है। ग्रामीण योजनाएं, महिला लाभार्थी स्कीम, और स्थानीय संगठन—ये सब मिलकर तृणमूल का किला मजबूत करते हैं। लेकिन चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों में संदेशखाली प्रकरण, भर्ती घोटाले, चिट फंड विवाद, और कानून-व्यवस्था पर सवालों ने सरकार की छवि को चोट पहुंचाई है। विपक्ष इन्हीं मुद्दों को लेकर आक्रामक है और "भ्रष्टाचार बनाम बदलाव" का नैरेटिव खड़ा करना चाहता है।

घुसपैठ का मुद्दा: चुनाव का सबसे गरम हथियार

2026 के चुनाव में जो मुद्दा सबसे ज्यादा सुर्खियों में है, वह है—बांग्लादेशी घुसपैठ और मतदाता सूची की शुद्धता। भाजपा लंबे समय से आरोप लगाती रही है कि बंगाल में अवैध घुसपैठियों को राजनीतिक संरक्षण दिया गया, और उन्हें वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने संसद से लेकर चुनावी मंच तक इस मुद्दे को बार-बार उठाया है। भाजपा का तर्क है कि अवैध घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों पर दबाव और चुनावी निष्पक्षता—तीनों के लिए खतरा है। दूसरी ओर, ममता बनर्जी और तृणमूल का कहना है कि "घुसपैठ" का मुद्दा अक्सर राजनीतिक ध्रुवीकरण के लिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है और इससे असली नागरिकों को परेशान किया जाता है। मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (SIR) जैसे कदमों को लेकर विवाद और बढ़ गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का खुद सुप्रीम कोर्ट में जाकर राज्य का पक्ष रखना असामान्य कदम माना गया। इसे उनके समर्थक "संवैधानिक अधिकारों की रक्षा" बताते हैं, जबकि विरोधी कहते हैं कि इससे साफ है कि सरकार इस मुद्दे को लेकर दबाव में है।

कांग्रेस-वाम गठबंधन टूटने का असर

करीब एक दशक से कांग्रेस और वाम दल कई चुनावों में समझौते के साथ चलते रहे। हालांकि उनका संयुक्त वोट शेयर भी सीमित रहा, लेकिन कई सीटों पर वे भाजपा या तृणमूल के खेल को बिगाड़ने की क्षमता रखते थे। अब जब कांग्रेस ने अकेले लड़ने का फैसला किया है, तो विपक्षी वोटों का बंटवारा और बढ़ सकता है।

यह बिखराव किसे फायदा देगा?

ज़्यादातर राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि इसका सीधा नुकसान भाजपा को भी हो सकता है और तृणमूल को भी—यह सीट दर सीट समीकरण पर निर्भर करेगा। लेकिन एक धारणा यह भी है कि अगर अल्पसंख्यक वोटों का छोटा हिस्सा भी कांग्रेस की ओर खिसका, तो कुछ सीटों पर तृणमूल को नुकसान हो सकता है। वहीं अगर वाम और कांग्रेस दोनों कमजोर रहे, तो सीधा मुकाबला तृणमूल बनाम भाजपा बन जाएगा—जो ममता के लिए ज्यादा सुविधाजनक भी हो सकता है। ममता बनर्जी शायद कांग्रेस-वाम के अलग होने से बहुत चिंतित नहीं होंगी, क्योंकि पिछले चुनावों में दोनों दल मिलकर भी दो अंकों का वोट शेयर मुश्किल से छू पाए थे। अलग-अलग लड़ने पर उनका असर और घट सकता है।

क्या भाजपा बहुमत तक पहुंच सकती है?

भाजपा ने 2021 में बड़ी छलांग जरूर लगाई, लेकिन सत्ता से अभी भी दूर रही। 294 सीटों वाले सदन में बहुमत के लिए 148 सीटें चाहिए। अनुमानित गणित कहता है कि भाजपा को अपना वोट शेयर लगभग 38–39% से बढ़ाकर 45% के आसपास ले जाना होगा। साथ ही उसे यह भी उम्मीद करनी होगी कि तृणमूल का वोट शेयर 48% से गिरकर करीब 42% या उससे नीचे आए। यह आसान नहीं है। बंगाल में भाजपा की शहरी और सीमावर्ती क्षेत्रों में पकड़ मजबूत हुई है, लेकिन ग्रामीण बंगाल में तृणमूल का संगठन अभी भी ज्यादा गहरा है। भाजपा के लिए स्थानीय नेतृत्व, बूथ मैनेजमेंट और सामाजिक गठजोड़ को और मजबूत करना जरूरी होगा।

ममता की बदलती राजनीतिक छवि

ममता बनर्जी को लंबे समय तक "स्ट्रीट फाइटर" नेता के रूप में देखा गया—आंदोलन, धरना, टकराव उनकी राजनीति की पहचान रहे।

यूएसऐड बजट कटौती से बढ़ा वैश्विक संकट, अकाल जैसे हालात, स्वास्थ्य और खाद्य सहायता पर गहरा असर दुनियाभर में तेजी

-फंडिंग घटने से करोड़ों लोग प्रभावित, क्लीनिक बंद, शरणार्थी और बच्चे सबसे ज्यादा संकट में

दुनिया के कई संकटग्रस्त इलाकों से इन दिनों जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, वे बेचैन करने वाली हैं। कहीं परिवार अपनी जमीन-जायदाद बेचकर गुजारा कर रहे हैं, कहीं लोग पेट काटकर भोजन बचा रहे हैं, तो कहीं अगली फसल के लिए रखे बीज तक खाने को मजबूर हैं। अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसियों की रिपोर्टें संकेत दे रही हैं कि कुछ क्षेत्रों में हालात अकाल जैसी स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। इस बिगड़ती तस्वीर के पीछे एक बड़ा कारण बताया जा रहा है—अमेरिका की प्रमुख वैश्विक सहायता संस्था यूएसऐड (USAID) के बजट में भारी कटौती। रिपोर्टों के अनुसार 2024 की तुलना में 2025 के दौरान वैश्विक मानवीय सहायता पर अमेरिकी खर्च में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इससे दुनिया के उन इलाकों पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है जो पहले से युद्ध, गरीबी, विस्थापन, जलवायु आपदा और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या दुनिया अब ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है जहां मानवीय सहायता भी रणनीतिक हितों और घरेलू राजनीति के तराजू पर तौली जाएगी?

क्या है यूएसऐड और इसकी भूमिका

यूएसऐड यानी यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट दशकों से दुनिया भर में मानवीय सहायता, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और आपदा राहत कार्यक्रमों को समर्थन देती रही है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देशों में स्वास्थ्य क्लीनिक, टीकाकरण अभियान, एचआईवी उपचार कार्यक्रम, पोषण योजनाएं और शरणार्थी सहायता परियोजनाएं इसी फंडिंग से चलती रही हैं। यूएसऐड सिर्फ मदद देने वाली संस्था नहीं रही, बल्कि यह अमेरिका की "सॉफ्ट पावर" का भी बड़ा माध्यम मानी जाती रही है—यानी वह तरीका जिससे कोई देश बिना सैन्य ताकत के भी वैश्विक प्रभाव और भरोसा कायम करता है। लेकिन हालिया बजट कटौतियों ने इस मॉडल पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बजट में कितनी कटौती और उसका दायरा

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार: 2024 में अमेरिकी वैश्विक मानवीय सहायता खर्च 14 अरब डॉलर से अधिक था, 2025 में यह घटकर लगभग 3.7 अरब डॉलर तक आ गया, यानी करीब 10 अरब डॉलर की कमी, खाद्य सहायता फंडिंग में 40% तक गिरावट, 2,000 से अधिक क्लीनिकों के बंद होने की खबर, लगभग 2.5 करोड़ कम लोगों तक सहायता पहुंची, यह कटौती सिर्फ कागज पर दर्ज संख्या नहीं है। इसका सीधा असर जमीन पर दिख रहा है—भोजन वितरण, टीकाकरण, पोषण कार्यक्रम, मातृ-स्वास्थ्य योजनाएं और संक्रमण रोगों के इलाज की सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

जमीन पर बिगड़ते हालात: कुछ उदाहरण

सोमालिया: कुपोषण के मामले तेज़ी से बढ़े: डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (MSF) जैसी संस्थाओं के अनुसार 2024 के बाद से गंभीर कुपोषण से पीड़ित बच्चों की भर्ती के मामले 70% से अधिक बढ़े हैं। सहायता घटने से पोषण केंद्रों और मोबाइल स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ गया है।

बांग्लादेश: शरणार्थी शिविरों में संकट: रोहिंग्या शरणार्थी शिविरों में राशन और सामाजिक सहायता कम होने से परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बाल विवाह और बाल श्रम के मामलों में वृद्धि की आशंका जताई है।

अफगानिस्तान: महिलाओं पर सबसे अधिक बोझ: कई क्षेत्रों में परिवारों ने भोजन की मात्रा घटा दी है। रिपोर्टें कहती हैं कि कई घरों में महिलाएं खुद कम खाकर बच्चों और बुजुर्गों को प्राथमिकता दे रही हैं।

दक्षिण सूडान और चाड: स्वास्थ्य कार्यक्रम ठप: स्वच्छता और स्वास्थ्य परियोजनाओं के रुकने से हैजा और अन्य संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ा है। टीकाकरण और प्राथमिक उपचार सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

केन्या के शरणार्थी शिविर: खाद्य सहायता में कटौती के बाद कुपोषण और भूख से मौतों की खबरों ने राहत एजेंसियों को चिंतित किया है।

"सर्वाइवल मोड" में जा रहे परिवार

राहत एजेंसियों का कहना है कि कई जगहों पर परिवार अब वही कदम उठा रहे हैं जो आमतौर पर बड़े अकाल से पहले देखे जाते हैं: पहले घरेलू सामान और पशुधन बेचना, फिर जमीन या औजार बेचना, भोजन की मात्रा घटाना, कर्ज लेना, बच्चों को स्कूल से हटाना, अगली फसल के बीज तक खाना, मजबूरी में शोषणकारी काम या रिश्तों में धकेले जाना, ये संकेत बताते हैं कि संकट सिर्फ अस्थायी नहीं, बल्कि संरचनात्मक रूप ले रहा है।

अमेरिका की नीति में बदलाव का संकेत?

आलोचकों का कहना है कि यह कटौती अमेरिका की वैश्विक भूमिका में बदलाव का संकेत है। पहले जहां अमेरिका खुद को मानवीय नेतृत्वकर्ता के रूप में प्रस्तुत करता था, अब वह घरेलू प्राथमिकताओं और रणनीतिक हितों को आगे रख रहा है। कुछ विश्लेषकों का तर्क है कि नई नीति "टार्गेटेड असिस्टेंस" की ओर जा रही है—यानी जहां अमेरिकी रणनीतिक हित सीधे जुड़े हों, वहां मदद; अन्य क्षेत्रों में कटौती। इस सोच को कुछ लोग "अमेरिका फर्स्ट" नीति का विस्तार मानते हैं।

विवादित फंडिंग फैसले और आलोचना

कटौती के साथ-साथ कुछ फंडिंग फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। आलोचकों का आरोप है कि: कुछ विवादित संस्थाओं को विशेष अनुमति देकर धन दिया गया, शरणार्थी सहायता के लिए निर्धारित धन को राजनीतिक समझौतों में इस्तेमाल किया गया, प्राथमिकता निर्धारण में पारदर्शिता की कमी रही, इन आरोपों ने बहस को और तेज कर दिया है कि क्या मानवीय सहायता अब भू-राजनीतिक सौदेबाजी का हिस्सा बनती जा रही है।

क्या सचमुच "किसी की मौत नहीं हुई"?

कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया कि कटौतियों से सीधे मौतें नहीं हुईं। लेकिन राहत संगठनों और स्वतंत्र रिपोर्टों ने इस दावे पर सवाल उठाए हैं।

प्रदेश के हर जिले में विकसित होगी आर्द्रभूमि, सिलिसेढ़ झील बनेगी मॉडल रामसर साइट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण की तकनीकी समिति की बैठक मंगलवार को सचिवालय में शासन सचिव पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग विजय एन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में चरणबद्ध रूप से कम से कम एक आर्द्रभूमि विकसित की जाए। उन्होंने इसके लिए जिला-वार आर्द्रभूमियों की सूची तैयार कर उनका डिजिटलीकरण, नियमित मॉनिटरिंग और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि अलवर जिला स्थित सिलिसेढ़ झील को आदर्श आर्द्रभूमि (मॉडल वैटलैण्ड) के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने इस कार्य को मूर्त रूप देने के लिए स्थानीय प्रशासन, वन एवं पर्यावरण विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं पशुपालन विभाग आपसी सहभागिता से कार्य करने के लिए कहा। शासन सचिव ने कहा कि सिलिसेढ़ झील के विकास से प्रदेश की अन्य आर्द्रभूमियों के संरक्षण और प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से पर्यटन दबाव, जलग्रहण क्षेत्र का क्षरण, गाद जमाव, पारिस्थितिकी संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली प्रजातियों के प्रबंधन तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी चुनौतियों पर चर्चा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने प्रत्येक जिले में आर्द्रभूमि विकसित करने के एक्शन प्लान तथा आर्द्रभूमि के संरक्षण एवं प्रबंधन हेतु बजट के संबंध में भी अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन जिलों में अब तक आर्द्रभूमियाँ अधिसूचित नहीं हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र भेजे जाएं। साथ ही जिलों में आर्द्रभूमियों की डिजिटल इन्वेंट्री समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए। बैठक में राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण की नॉलेज पार्टनर संस्था डब्लूडब्लूएफ इंडिया द्वारा रामसर साइट सिलिसेढ़ झील (अलवर) के लिए तैयार किए गए ड्राफ्ट इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लान पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण में झील की भौगोलिक स्थिति, जलग्रहण क्षेत्र, जल प्रवाह व्यवस्था, जल गुणवत्ता, जलवायु आंकड़े, आर्द्रभूमि स्वास्थ्य, जैव विविधता तथा भविष्य की कार्ययोजना की जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि सिलिसेढ़ झील सरिस्का टाइगर रिज़र्व के बफर क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण रामसर साइट है। यह क्षेत्र की जल सुरक्षा, जैव विविधता और स्थानीय आजीविका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। झील में 149 पक्षी प्रजातियाँ, विभिन्न मछली प्रजातियाँ, स्तनधारी एवं सरीसृप पाए जाते हैं। इस प्रारूप कार्ययोजना के अनुसार सिलीसेढ़ झील के संवर्धन एवं विकास हेतु सभी संबंधित विभागों एवं हित धारकों के समन्वय से नियमानुसार कार्य किए जाएंगे। बैठक में विशिष्ट शासन सचिव पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग बीजो जॉय, वन संरक्षक वन्य जीव वन विभाग सुश्री मोनाली सेन, सदस्य सचिव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कपिल चंद्रावल, सहित पशुपालन विभाग, भू जल विभाग, स्टेट रिमोट सेंसिंग सेंटर के प्रतिनिधि उपस्थित थे। साथ ही जिला प्रशासन- अलवर ने वीसी द्वारा भाग लिया ।

मुख्यमंत्री ने गोविंददेव जी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए कामना की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के आराध्य गोविंददेव जी मंदिर परिसर स्थित जय निवास उद्यान से विधिवत पूजा-अर्चना कर विशाल कलश यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संत-महात्मा राष्ट्र को सही दिशा देकर सनातन संस्कृति को मजबूत कर रहे हैं तथा इनके विचार मानवता, सेवा एवं सद्भावना का संदेश देते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि संतों की शिक्षाओं और आदर्शों को आत्मसात करें तथा भारत की गौरवाशाली परम्परा को आगे बढ़ाने में योगदान दें।

शर्मा ने कहा कि बाबा बालनाथ ने भारतीय धर्म एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने में अद्वितीय योगदान दिया। इसी परंपरा का बाबा बस्तीनाथ जी महाराज भी अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की अवधारणा पर आधारित है, जो सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश देती है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री बस्तीनाथ महाराज को दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान शर्मा ने महाराज जी के आशीर्वचन भी सुनें। कलश यात्रा में हजारों की संख्या में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इससे पहले शर्मा ने गोविंददेव जी मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने भगवान गोविंददेव जी के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर विधायक देवी सिंह शेखावत सहित गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

यातायात सुधार को लेकर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने ली समीक्षा बैठक

-पार्किंग, अतिक्रमण हटाने व फुटओवरब्रिज रखरखाव पर दिए स्पष्ट निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को समीक्षा बैठक मुख्यालय में आयोजित की गई। बैठक में यातायात नियंत्रण समिति की 93वीं बैठक में लिए गए निर्णयों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, उपायुक्त मालवीय नगर, आदर्श नगर, सर्तकता, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी, उप नगर नियोजक, अधिशाषी अभियन्ता (विद्याधर नगर/विद्त/प्रोजेक्ट प्रथम) सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में गोविन्द मार्ग की चैडाई मास्टर प्लान अनुसार 100 फिट किए जाने, नारायण सिंह सर्किल, टोक फाटक, फुट ऑवरब्रिज के रख-रखाव, अम्बाबाडी से द्रव्यवती नदी पर सुरक्षात्मक रेलिंग लगवाने एवं नियमित रख-रखाव, साफ-सफाई, पार्किंग सहित अन्य बिन्दओं पर चर्चा की गई। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने निर्देष दिये कि नारायण सिंह सर्किल, टोंक फाटक फुट ओवर ब्रिज का रख-रखाव एवं साफ-सफाई नियमित रूप से किया जावे एवं एसक्लेटर नियमित रूप से कार्य करें, नगर निगम द्वारा जारी भवन निर्माण एवं संस्थानिक स्वीकृतियों को स्वीकृत नक्षों के अनुसार जांच कर यह सुनिष्चित किया जाए कि पार्किंग का क्षेत्र पार्किंग के ही काम लिया जावे। प्रत्येक स्थल पर नक्षानुसार स्वीकृत पार्किंग स्थलों की संख्या भवन के बाहर आम जन की जानकारी हेतु बोर्ड पर प्रदर्षित की जाए। नगर निगम द्वारा संचालित पार्किंग का डेटा बेस नियमित रूप से तैयार किया जाए, उसके आधार पर सबसे व्यवस्ततम समय में पार्किंग शुल्क उसी अनुसार निर्धारित करने की शर्त निविदा में रखी जावे। अस्थायी अतिक्रमण पर कार्रवाई की जाये नगर निगम क्षेत्राधिकार में संचालित ढाबो एवं रेस्टोरेन्ट की पार्किंग की जांच की जावे यदि कोई प्रावधान है तो इनकी पालना करायी जावे।

'द हिन्दू गुरुकुल' का वार्षिकोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खोरा बीसल स्थित 'द हिन्द गुरुकुल' स्कूल का वार्षिकोत्सव "अतुल्य 1.0" बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। यह आयोजन क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों का सशक्त उदाहरण बना। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह और शाल भेंट कर सम्मान किया गया। विद्यालय के निदेशक डॉ. दीपक सैनी ने विद्यार्थियों को परिश्रम, लक्ष्य निर्धारण तथा समाज व राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए ऐसी सांस्कृतिक गतिविधियाँ अत्यंत आवश्यक हैं। इस भव्य कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10वीं के टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने लोकनृत्य, देशभक्ति गीत, समूह नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुतियों में सामाजिक समरसता, राष्ट्रप्रेम, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों, शिक्षकों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

बिलान्दरपुर के लाल ग्यारसी लाल यादव ने बढ़ाया गांव का मान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली में डॉक्टरेट (मानव) उपाधि से हुए सम्मानित बिलान्दरपुर गांव के लिए गर्व का क्षण उस समय आया जब गांव के होनहार समाजसेवी ग्यारसी लाल यादव को वर्ल्ड कल्चरल एंड एजुकेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा डॉक्टरेट (मानव) की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह भव्य सम्मान समारोह दिल्ली के मेपल गोल्डन बैकिट हॉल में आयोजित किया गया, जहाँ सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता गुलशन ग्रोवर ने स्वयं मंच से यह सम्मान प्रदान किया। इस गरिमामय अवसर पर भारत की वर्ल्ड कल्चरल एंड एजुकेशन ऑर्गेनाइजेशन की प्रतिनिधि नेहा ठाकुर, रितु दया, जयपुर से अंशुल अग्रवाल तथा हैदराबाद से अजंता सरकार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभर से आए समाजसेवियों और गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी ने समारोह की शोभा बढ़ाई। इस सम्मान के उपलक्ष्य में संपत्ति विवाद सेवा केंद्र की स्थापना के माध्यम से समाज में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को विशेष रूप से सराहा गया। समारोह को संबोधित करते हुए जीएल यादव ने कहा, कि "यह सम्मान मेरे लिए केवल एक तिलक नहीं है, बल्कि समाज सेवा को और अधिक समर्पण भाव से करने की प्रेरणा है। मैं उन सभी संस्थाओं का हृदय से धन्यवाद करता हूँ जो समाजसेवियों का मनोबल बढ़ाकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं।" गांव बिलान्दरपुर सहित पूरे क्षेत्र में इस उपलब्धि को लेकर खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे समाजसेवा के क्षेत्र में नई प्रेरणा देने वाला क्षण बताया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने किया सड़क निर्माण कार्यों का शुभारम्भ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर शहर के वार्ड 3 अर्जुन नगर, माली मौहल्ला एवं अम्बे विहार कॉलोनी मुख्य मार्ग तथा पास की गलियों में विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों का शुभारम्भ किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को वार्ड 3 में अम्बे विहार कॉलोनी मुख्य मार्ग व गलियों में 28 लाख रूपए की लागत की सड़क निर्माण तथा अर्जुन नगर एवं माली मौहल्ला में 13 लाख रूपए की लागत की सड़क निर्माण कार्यों का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में अब तक 110 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से सड़कों का निर्माण किया जा चुका है और यह सिलसिला लगातार जारी है।

देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए आधारभूत ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सड़कें किसी भी क्षेत्र की जीवन रेखा होती हैं, जो आवागमन को सुगम बनाने के साथ व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच को भी सशक्त करती हैं। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से सभी वार्डों में सड़क, नाली, विद्त एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। देवनानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखते हुए हर मोहल्ले तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पेयजल संकट के स्थायी समाधान के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। तीन रिजर्वायर का निर्माण किया जाएगा। वहीं निर्बाध विद्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हाथीभाटा क्षेत्र में गैस आधारित जीएसएस की स्थापना की जाएगी। उन्होंने पर्यटन एवं रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शहर में साइंस पार्क, प्लैनेटेरियम, पर्यावरण पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए लेपर्ड सफारी तथा वरुण सागर के सौंदर्यीकरण के अंतर्गत वरुण देव की प्रतिमा स्थापना जैसे कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आईटी पार्क की स्थापना की जा चुकी है। इस अवसर पर दीपक शर्मा, सुभाष जाटव, महेंद्र सिंह रावत, श्रीमती राधिका सोनी, विजय सिंह टाक, गणेश साहू सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस-2026 : उत्कृष्ट झांकियों को मिला सम्मान

- कृषि विभाग की झांकी "नमो ड्रोन दीदी" को मिला प्रथम पुरस्कार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने सोमवार को शासन सचिवालय स्थित चिंतन हॉल में गणतंत्र दिवस-2026 के राज्य स्तरीय समारोह में प्रदर्शित विभिन्न राजकीय विभागों की उत्कृष्ट झांकियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर कृषि विभाग की झांकी "नमो ड्रोन दीदी" को पहला पुरस्कार मिला। इस झांकी में आधुनिक तकनीकों के माध्यम से खेती और कृषि क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण का प्रभावी संदेश प्रस्तुत किया गया था। इसी प्रकार कला एवं संस्कृति विभाग की "राजस्थानी कला" थीम पर आधारित झांकी दूसरे स्थान पर रही। वहीं तीसरा पुरस्कार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की "माँ योजना" थीम पर आधारित झांकी को दिया गया। चयनित विभागों को मुख्य सचिव द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, कृषि विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती मंजू राजपाल, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग निदेशक (आईईसी) श्रीमती सौम्या झा तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभ मंगला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस-2026 के अवसर पर जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में इस वर्ष राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा नवाचारों, योजनाओं एवं जनकल्याणकारी नीतियों पर आधारित झांकियों का प्रदर्शन किया गया था। समारोह में पशुपालन, मत्स्य एवं गोपालन विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, गृह विभाग (एसडीआरएफ), आयोजना विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा पर्यटन विभाग सहित अनेक विभागों द्वारा विभिन्न थीमों पर खूबसूरत कलात्मक झांकियों का प्रदर्शन किया गया था।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं गुरुवार से

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं गुरुवार 12 फरवरी से राज्यभर में प्रारंभ होंगी। इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में कुल 19 लाख 90 हजार 57 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए हैं। परीक्षाओं का आयोजन प्रदेशभर में 6 हजार 194 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इस वर्ष सेकेंडरी परीक्षा में 10 लाख 68 हजार 109, सीनियर सेकेंडरी परीक्षा में 9 लाख 10 हजार 9, प्रवेशिका में 7 हजार 817 तथा वरिष्ठ उपाध्याय वर्ग में 4 हजार 122 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। नकल रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, उड़नदस्तों की तैनाती एवं विशेष दलों की नियुक्ति की गई है। इस साल जिलों में अभय कमांड सेन्टर से भी परीक्षाओं की मॉनिटरिंग की जाएगी। बोर्ड सचिव ने परीक्षार्थियों से समय से परीक्षा केंद्र पर पहुंचने तथा बोर्ड द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करने की अपील की है। परीक्षाओं के सफल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी आयोजन के लिए शिक्षक, केंद्राध्यक्ष एवं प्रशासनिक अधिकारी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-46 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 5 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सांगानेर रोड़, चैरडिया पैट्रोल पम्प से मुहाना मण्डी रोड़, सेक्टर 35 प्रताप नगर, सीतापुरा, सेक्टर 26 प्रताप नगर, पोस्ट ऑफिस मालवीय नगर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 46 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 5 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सांगानेर रोड़, चैरडिया पैट्रोल पम्प से मुहाना मण्डी रोड़, सेक्टर 35 प्रताप नगर, सीतापुरा, सेक्टर 26 प्रताप नगर, पोस्ट ऑफिस मालवीय नगर से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 5 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 46 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

अन्तर्राज्यीय शातिर नकबजन गिरोह का पर्दाफाश जिला जयपुर दक्षिण की बडी कार्यवाही

-आरोपियों के कब्जे से 25 लाख रूपयें एवं ज्वैलरी का सामान बरामद

चोरी गई संपत्ति को आपस में बांट कर ऐशो आराम करते हैं।

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजर्षि राज.IPS पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) ने बताया कि जिला जयपुर दक्षिण में चोरी नकबजनी की घटनाओं की रोकथाम हेतु सघन गश्त करते हुए आसूचना संकलन कर ऐसे अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिये समस्त सहायक पुलिस आयुक्त जयपुर दक्षिण एवं समस्त थानाधिकारीगण जयपुर दक्षिण को निर्देशित किया गया था। दिनांक 29.01.2026 को परिवादिया श्रीमती रचना सबीखी ने दर्ज करवाया कि दिनांक 28.01.26 को शाम 6.30 से 9.30 बजे के मध्य उनका परिवार घर से बाहर गये हुए थे। जब घर पर वापस आये तब घर के मुख्य दरवाजे की कुडी टूटी हुई थी और सीसीटीवी कैमरा भी टूटा हुआ था तथा कमरे के अन्दर रखी लोहे की अलमारी टूटी हुई थी जिसमें रखी उसकी लाखों की ज्वैलरी एवं नकदी सब चोरी हो गये। आदि रिपोर्ट पर पुलिस थाना विधायकपुरी पर अभियोग संख्या 33/2026 धारा 305 (1). 331(4) BNS के तहत पंजीबद्ध कर वारदात को अंजाम देने वाले अज्ञात बदमाशान की तलाश प्रारम्भ की गई। घटना की गंभीरता एवं सी स्कीम जैसी पॉश कोलोनी को मध्यनजर रखते हुए आरोपीगण की दस्तयाबी हेतु ललित किशोर शर्मा RPS अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण के नेतृत्व में बनवारीलाल मीणा RPS / श्रीमती नितिशा जाखड RPS के निकट सुपरविजन में नरेन्द्र भडाना पु०नि० थानाधिकारी विधायकपुरी, रविना हदावत उ० नि० टीम, विशम्बर पु०नि० प्रभारी DST मय समस्त टीम, लोकेश कुमार हैड कानि0 634 साईबर सेल जयुपर दक्षिण की एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा टीम द्वारा घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियो के भागने के रूट पर करीबन 500 सीसीटीवी फुटेज चेक किये गये। अलग-अलग टीमों द्वारा साईबर सेल जयपुर दक्षिण के तकनीकी इनपुट के आधार पुलिस थाना विधायकपुरी टीम एवं जिला विशेष टीम को अज्ञात बदमाशान की गिरफतारी के लिए दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश रवाना किया गया। नरेन्द्र भडाना पु०नि० थानाधिकारी के नेतृत्व में साईबर सेल से समन्वय रखकर तकनिकी आधार पर कार्य करते हुए दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश जाने वाली टीम को डेटा उपलब्ध करवाये गये एवं बदमाशों का रिकॉर्ड तैयार किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा कडी मेहनत करते हुए परम्परागत एवं तकनीकी पुलिसिंग का उम्दा प्रदर्शन करते हुए बदमाशों को ट्रैक कर रुट मैप तैयार कर दिल्ली के मयूर विहार ईलाका एवं बिजनौर उत्तर प्रदेश में दबिश देकर दो बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। प्रकरण में अन्य मुल्जिमानों के सम्बन्ध में अनुसंधान कर खुलासा किया जायेगा। तरीका वारदात मुल्जिमान से किये गये अनुसंधान से सामने आया है कि वो पहले तो वो सूने/बन्द पड़े मकानों की रैकी करते हैं और फिर मौका देख कर वारदात को अंजाम देते हैं। वारदात के दौरान आरोपी गाडी की नम्बर प्लेट चौरी करते हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

अब्दुल समद राही को मिला पत्रकार श्री सम्मान

मोहम्मद यासीन

सोजत (रॉयल पत्रिका)। श्रीनाथ जी की पावन धरा नाथद्वारा में मेहंदी नगरी सोजत के ख्यातनाम शायर, कवि एवं वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल समद राही को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी बेहतरीन एवं समर्पित सेवाओं के लिए पत्रकार श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय स्तर पर साहित्य मंडल नाथद्वारा द्वारा आयोजित पाटोत्सव ब्रजभाषा समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान साहित्य अकादमी के सचिव बसंतसिह सोलंकी, वरिष्ठ साहित्यकार चेतन स्वामी, साहित्य मंडल नाथद्वारा के प्रधानमंत्री श्याम प्रकाश देवपुरा, रिहाना रानू ने राही को उपरना, मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर श्रीनाथ जी का प्रसाद व सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार पवन पहाड़िया, अंजीव अंजूम, हरि ओम हरि, पियूष देवपुरा, मदन मोहन शर्मा, रवि पुरोहित, सुनीता शर्मा, डॉ. भेरूलाल गर्ग, नंदकिशोर काबरा, हेमलता दधीच, डॉ. छगन राज राव, डॉ. दीपा परिहार, डॉ. देवराज शर्मा, शिव सागर शर्मा, हेमलता दाधीच, श्रीमती संतोष ऋचा, सत्यनारायण मधुप, सुरेश कुमार शर्मा, नरेंद्र निर्मल सहित देशभर से आए साहित्यकार उपस्थित थे।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का भव्य समापन

-रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के सक्रिय सहयोग एवं मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026) के अंतर्गत आज भव्य पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक समारोह का आयोजन स्व. नर्मदा देवी ऑडिटोरियम में किया गया। यह कार्यक्रम गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, जिला पुलिस एवं आधार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ज्ञान देव विश्वकर्मा रहे। विशिष्ट अतिथियों में गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के सीईओ ऋषि कपूर, मार्केटिंग हेड कल्पेश चन्द रजबार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के न्यायाधीश कुलदीप शर्मा, उपाधीक्षक पुलिस मदन गहलोत, यातायात निरीक्षक सुनील चरण सहित मनोज जोशी, चंद्रगुप्त सिंह चौहान एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस आयोजन को विशेष रूप से प्रभावी एवं जनसरोकार से जोड़ा गया। इस अवसर पर गीतांजली हॉस्पिटल के सीईओ ऋषि कपूर ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को समय रहते सड़क सुरक्षा एवं सिविक सेंस के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि विद्यालयों के सिलेबस में रोड सेफ्टी और ट्रैफिक नियमों से जुड़े विषयों को शामिल किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना एवं ट्रैफिक नियमों की जानकारी यदि बच्चों को शिक्षा स्तर पर ही मिल जाए, तो वे शुरू से ही सुरक्षित आदतें विकसित कर सकते हैं। कपूर ने यह भी कहा कि कई विकासशील देशों में ट्रैफिक नियमों का बेहतर तरीके से पालन किया जाता है। यदि हम भी अपनी सुरक्षा और बचाव के प्रति गंभीर होंगे, तो सड़क सुरक्षा स्वतः बढ़ेगी और अनेक दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा। आधार फाउंडेशन की ओर से नारायण चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध रोड सेफ्टी सॉन्ग "इतनी सेफ्टी हमें देना दाता" से की गई। इसके पश्चात सड़क सुरक्षा थीम पर नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो, नृत्य, गायन एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि बच्चों को सड़क सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को मनोरंजन एवं सांस्कृतिक माध्यमों से सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया गया। हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाना तथा ओवरलोडिंग से बचाव जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से जनमानस तक पहुँचाया गया। इस अवसर पर वर्ष भर सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाले विद्यालयों, विद्यार्थियों एवं यातायात पुलिस के जवानों को सम्मानित किया गया।

कछुआ रफ्तार में चल रहा रेलवे अंडरपास का निर्माण

-शहरवासियों को दोनों साईड आवागमन में भारी परेशानी

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। रेलवे अंडरपास का निर्माण कार्य पिछले चार महीने से कछुआ चाल से चल रहा है। जिसका स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने केंद्रीय रेल मंत्री एवं जोधपुर रेलवे विभाग को ज्ञापन भेजकर विरोध दर्ज करवाया है। रेल मंत्री व रेलवे प्रबंधक जोधपुर के नाम भेजे गए ज्ञापन में बताया गया कि अंडरपास निर्माण कार्य प्रारंभ हुए लगभग चार माह बीत चुके हैं। मगर यहां ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य धीमी गति से किया जा रहा है इससे अंडरपास के दोनों साईड बसी हुई बड़ी आबादी का आवागमन बाधित हो गया है। इसके संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी ने जनहित में गंभीरता के साथ मामला उठाते हुए बताया कि रेलवे फाटक के एक और पुलिस थाना, तहसील कार्यालय, पंचायत समिति, पीडब्ल्यूडी कार्यालय तथा उपखंड कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यालय बने हुए है, जहां पर दिन भर जनता का किसी जरूरी कार्य के लिए आना जाना लगा रहता है और यह मार्ग अंडरपास निर्माण के कारण चार महीनों से पुरी तरह से अवरुद्ध पड़ा है। कार्य में शिथिलता के चलते आपातकालीन समय में लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कायमखानी ने बताया कि वर्तमान में जैन समाज के पूज्य गुरुदेव महाश्रमण का लाडनू में प्रवास चल रहा है, जिससे नगर में बाहरी श्रद्धालुओं का आवागमन बढ़ गया है। ऐसे समय में अंडरपास निर्माण कार्य को तेज गति से करवाकर आमजन के लिए मार्ग खोलने की मांग की गई है।

चूरू के इस्माइल खान राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान में नई नियुक्ति

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय की पालना में सेवानिवृत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ईस्माईल खान चूरू निवासी को संस्थान का प्रदेश वरिष्ठ महासचिव नियुक्त/मनोनीत किया गया है। यह आदेश 8 फरवरी 2026 को जारी किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने खान के प्रशासनिक अनुभव एवं संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर विश्वास जताते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में संस्थान की गतिविधियों को नई दिशा एवं गति मिलेगी। नियुक्ति की जानकारी मिलने पर सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों एवं सदस्यों ने ईस्माईल खान को बधाई दी। एवं दोस्तों व परिवारजनो ने खुशी जाहिर की व शुभकामनाएं दीं। ज्ञात रहे इस्माइल खान ने जयपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनू आदि कई जिलों में अपनी सेवाएं ईमानदारी और निष्ठा के साथ की है। आप खुश मिजाज और गायकर भी हैं। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

गुजरात के 21 गाँव के अध्यक्ष अफजल गुड्डू बांठिया भीलवाड़ा पहुंचने पर किया स्वागत

इक़बाल शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। बनेड़ा मंसूरी समाज के भीलवाड़ा पहुंचने पर गुजरात के 21 गाँव के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का भीलवाड़ा मे मंसूरी तेली समाज के व्यक्तियों ने कई जगह-जगह पर किया जबरदस्त स्वागत। सद्दाम बेहलीम ने बताया की इतवार को भीलवाड़ा मे हाजी अफजल गुड् बांठिया व शाहबुदीन बेहलीम का स्वागत किया गया। गुजरात तेली बिरादरी के 21 गाँव के अध्यक्ष हाजी अफजल गुड् बांठिया और उपाध्यक्ष शाहबुदीन बेहलीम का भीलवाड़ा आगमन समाज के लोगों ने किया जबरदस्त स्वागत इसमें मौजूद हाजी गफूर सोलंकी, हाजी रशीद मोहम्मद सोलंकी, सलीम गौरी, कमरुदिन चाँदेड, सलीम साखला, शरीफ चौहान, सुबराती अली, बाबू पवार, अफसार पवार, सोहराब गौरी की तरफ से हाजी अफजल गुड् बाठिया व शाहबुदीन को राजस्थानी परम्परा से माला व साफा बंधवाकर फूलो का हार पहनाकर अलग-अलग जगह पर शानदार स्वागत किया गया। गुजरात से आए अफजल गुड् बांठिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

चोरियों के मामले में 28 फ़रवरी तक का एल्टीमेटम, अब भेड़ बकरियां लेकर थाने आयेंगे लोग

-मेडिकल नशे की रोकथाम व चोरियों के मामले में निस्तारण की मांग को लेकर हल्ला बोल कार्यक्रम

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/घमुड़वाली (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र में बढ़ रहे मेडिकल नशे के कारोबार की रोकथाम व चोरियों के दर्जनों मामलों में निस्तारण की मांग को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा व भीम आर्मी के सयुक्त तत्वावधान में पुलिस थाना घुमड़वाली के समक्ष हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। किसान सभा के नेता कॉमरेड रविंद्र तरखान ने कहा कि तेज़ी से पनप रहे नशा कारोबार को रोकने के लिए पुलिस के पास कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है। बल्कि पुलिस राजनीतिक दबाव में आमजन को परेशान करने को ही अपना दायित्व समझने लगी है जो पुलिस की छवि को धूमिल करता है तरखान ने कहा कि क्षेत्र में आटे के भाव नशा बिकने लगा है जिसके चलते क्षेत्र में चोरियां बढ़ी है भेड़ बकरियां चोरी हो रही है उन्होंने कहा कि कई चोरियों के मामले ऐसे है। जिनमें पुलिस ने एफआईआर तक दर्ज़ नहीं की है जबकि पीड़ित परिवार थाने के चक्कर लगा रहे है। भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष हंसराज रोझ ने कहा कि मेडिकल नशा युवाओं की जिंदगी लील रहा है पुलिस नशे कारोबारियों को पकड़ने की बजाय नशेड़ी युवकों को पकड़ ही इतिश्री कर रहा है। छात्र नेता मुकेश मोहनपुरिया ने कहा कि पुलिस में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं राजनीतिक दबाव में काम करना बेहद निंदाजनक है उन्होंने कहा कि राजनैतिक द्वेषता पुलिस के लिए ठीक नहीं है। इस मौके पर राजकुमार बाजीगर, राकेश चलन, सुभाष डगला, शिवलाल लिखाला, महेंद्र कुमार, रतन खन्ना, कृष्णलाल, रवि बागड़ी, कालू मांझू , पूर्व सरपंच सतपाल तरड़, श्रीराम जाट, कैलाश पूनिया, गौतम गौड़, प्रकाश रांगेरा, अजय सरबटा, आनंद कुमार जगदीश, श्रवण सिंह समरा, भजनलाल, सोहन महिया, शमशेर सिंह संधु, सुनील चालिया, अरुण कुमार, अरविंद साहू, राजेंद्र गोदारा आदि लोग मौजूद रहे। धरनार्थियों की मांग के बावजूद डीवाईएसपी के नहीं पहुंचने पर ज्ञापन पुलिस थाना घुमड़वाली के मुख्य द्वार पर चस्पा कर लोगों ने नारेबाजी की व 28 फरवरी तक सभी चोरियों में निस्तारण करने की मांग की अन्यथा भेड़ बकरियां लेकर लोग पुलिस थाना घुमड़वाली पर प्रदर्शन करेंगे।

चौमूं के नियोजित विकास हेतु यूआईटी सब ऑफिस की मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं विधानसभा क्षेत्र के सुनियोजित, संतुलित एवं दीर्घकालिक शहरी विकास को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सोमवार को शहर के कचोलिया रोड स्थित विधायक कार्यालय पर पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने विधायक डॉ. शिखा मील बराला से भेंटकर चौमूं में यूआईटी सब ऑफिस/अर्बन प्लानिंग अथॉरिटी की स्थापना की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि चौमूं क्षेत्र वर्तमान में जयपुर महानगर के उत्तरी विस्तार के रूप में तीव्र गति से विकसित हो रहा है। लगातार बढ़ती जनसंख्या, नई आवासीय कॉलोनियों का विस्तार, शैक्षणिक संस्थानों एवं व्यावसायिक गतिविधियों के कारण यदि समय रहते समुचित शहरी नियोजन व्यवस्था लागू नहीं की गई, तो भविष्य में अव्यवस्था, ट्रैफिक जाम, जलभराव एवं आधारभूत सुविधाओं की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ स्थायी रूप ले सकती हैं। वर्मा ने कहा कि यूआईटी सब ऑफिस/अर्बन प्लानिंग अथॉरिटी की स्थापना से कॉलोनी विकास, सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज, पार्क एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं की पूर्व योजना सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही आम नागरिकों को पट्टा, नक्शा स्वीकृति एवं भूमि रूपांतरण जैसे आवश्यक कार्यों के लिए जयपुर कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, जिससे समय, धन और प्रशासनिक बोझ तीनों में कमी आएगी। अंत में पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा ने विधायक डॉ. शिखा मील बराला से मांग की कि चौमूं तेजी से बढ़ते शहरी स्वरूप और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार स्तर पर यूआईटी सब-ऑफिस/अर्बन प्लानिंग अथॉरिटी की स्थापना हेतु ठोस एवं समयबद्ध पहल की जाए। उन्होंने कहा कि यह मांग किसी अतिरिक्त कार्यालय की नहीं, बल्कि चौमूं को अव्यवस्थित होने से बचाकर एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं टिकाऊ शहर के रूप में विकसित करने की जनहितकारी आवश्यकता है। इस मौके पर जाट महासभा चौमूं तहसील अध्यक्ष लालचंद गोरा, बाबूजी छीतरमल बबेरवाल, नगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष भानु प्रसाद सैनी, मुन्ना भाई पठान एवं अर्जुन लाल चौधरी भी उपस्थित थे।

चौमूं प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. के.एल. कुमावत का हुआ सम्मान

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं प्रेस क्लब के हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में डॉ. के.एल. कुमावत को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने पर सोमवार को नगर परिषद चौमूं के पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा एवं बाबूजी छीतरमल बबेरवाल के नेतृत्व में जयपुर रोड स्थित उनके कार्यालय पर फूल-मालाओं से स्वागत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. कुमावत का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना जाना उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता, सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता तथा पत्रकार समाज में उनके सम्मानित स्थान का प्रमाण है। उनसे आशा व्यक्त की गई कि उनके नेतृत्व में चौमूं प्रेस क्लब पत्रकारों के हितों की रक्षा के साथ-साथ क्षेत्र के जनहित मुद्दों को और अधिक मजबूती से उठाएगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने डॉ. कुमावत को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस मौके पर चौमूं तहसील जाट महासभा के तहसील अध्यक्ष लालचंद गोरा, मुन्ना भाई पठान एवं अर्जुन लाल जाट सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

लक्ष्मणगढ़ में उबाल:

अभियोजन कार्यालय दूर शिफ्ट करने के फैसले के खिलाफ वकीलों की हड़ताल, न्यायिक कार्य ठप

लक्ष्मणगढ़/सीकर (रॉयल पत्रिका)। लक्ष्मणगढ़ अभियोजन विभाग का कार्यालय 4 किलोमीटर दूर किए जाने के विरोध में मंगलवार को लक्ष्मणगढ़ अभिभाषक समिति की एक आवश्यक मीटिंग समिति सभागार में आयोजित हुई। जिसमें सभी अधिवक्ताओं ने सर्व सम्मति से अभियोजन विभाग कार्यालय दूर किए जाने का विरोध किया और उपखंड न्यायालय का अनिश्चितकालीन न्यायिक कार्य स्थगन प्रस्ताव पास करते हुए उपखंड अधिकारी मोहरसिंह मीणा को एक ज्ञापन सौंपा। अभिभाषक समिति के अध्यक्ष चिरंजीलाल भुरिया ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा अभियोजन विभाग कार्यालय निर्माण के लिए जमीन का प्रस्ताव मांगा गया था। लेकिन हठधर्मिता के कारण यहां से करीब 4 किलोमीटर दूर जमीन का प्रस्ताव भेजा गया है इसके विरोध में उपखंड न्यायालय का अनिश्चितकालीन के लिए कार्य स्थगन रखा गया है और उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर न्यायालय परिसर के नजदीक ही अभियोजन विभाग का कार्यालय की मांग की गई है। इस मौके पर लक्ष्मणगढ़ अभिभाषक समिति के समस्त अधिवक्ता मौजूद थे।

संगठन सृजन अभियान में प्रशिक्षण लेने, जिलाध्यक्ष मेघवाल नई दिल्ली पहुंचे

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जिलाध्यक्ष दिल्ली में ट्रेनिंग लेने पहुंचे। चूरू जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत मंगलवार को नई दिल्ली इंदिरा गांधी भवन एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में चूरू जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज मेघवाल नव नियुक्त जिला अध्यक्ष के साथ पहुंचे । चौहान ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, ओर लोक सभा में नेता प्रतीपक्ष राहुल गांधी से संवाद करेंगे और सुझाव देगे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, राजस्थान प्रदेश संगठन प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशः कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहेंगे। प्रशिक्षण के प्रमुख मुद्दों, जैसे संगठन की मजबूती, नेतृत्व कौशल, संगठन संचालन, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को संगठित करना, चुनावी रणनीति, समावेशी प्रतिनिधित्व और पार्टी की अनुशासनात्मक संरचना पर फोकस रहेगा।

राजेश पायलट की जयंती पर कहा लोकप्रिय जननेता थे- महन सरिया

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री लोकप्रिय जन नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की चूरू में मंगलवार को 80 वीं जयंती दिव्यांग एवं मुकबधिर बच्चो को भोजन कराकर व पाठ्य सामग्री वितरित करके श्रद्धा पूर्वक मनाई गई इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महन सरिया ने कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट एक लोकप्रिय जननेता थे जनता में उनका नाम बहुत ही आदर से लिया जाता है महन सरिया ने आगे कहा कि हमें आज इस बात की खुशी है कि उनके सुपुत्र आईसीसी के महासचिव पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे सचिन पायलट आमजन के चहेते बन गए हैं जनता उनको राजस्थान का मुख्यमंत्री देखना चाह रही है कार्यक्रम को महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष सुनीता कपूरिया, डायरेक्टर श्रीमती अंजू नेहरा, पूर्व जिला परिषद सदस्य उमाशंकर शर्मा, ने भी संबोधित किया इस अवसर पार्षद विजय कुमार सारस्वत, गिरधारी लाल नेहरा, गजानंद महर्षि, मोहम्मद खुशी चायल, शारदा देवी, राकेश कंवर, सुदेश जाखड़, नीतू कंवर, यूनुस खान जेनान, सत्तार लोहार, यूसुफ का मातवान, अमर सिंह दनेवा, किसना राम बाबल, सुनीता बाकोलिया, अयूब खान, शर्मिला भाकर, पार्षद विनोद खटीक, कालूराम महर्षि, सहित उपस्थित जनों ने स्वर्गीय राजेश पायलट के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके राजेश पायलट अमर रहे जब तक सूरज चांद रहेगा राजेश पायलट का नाम रहेगा गगन भेदी नारे लगाए।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन 28 तक

बारां। वर्तमान में उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत सत्र 2025-26 के छात्रवृत्ति आवेदन करने की प्रक्रिया चल रही है। जिसमें आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 फरवरी है। जिले में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि से पूर्व अपना छात्रवृत्ति आवेदन ऑनलाइन करवाए। जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी शुभम नागर ने बताया कि सत्र 2024-25 के आवेदन संस्थान तथा विद्यार्थी के स्तर पर लंबित है उन्हें आगामी 10 दिवस में जिला कार्यालय बारां में भिजवाया जाना सुनिश्चित करे जिससे आगे की कार्यवाही की जा सके।

मॉडल स्कूल बनेड़ा के दो छात्रों का स्काउट गाइड के राज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार समारोह में चयन

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका) । स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल बनेड़ा के प्रधानाचार्य भरत देव धाभाई ने बताया कि 11 फरवरी 2026 को स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र जगतपुरा जयपुर में होने वाले राज्य पुरस्कार समारोह में स्थानीय विद्यालय के यूनिट लीडर दीपक कुमार शर्मा के नेतृत्व में दो छात्र रौनक गारू व आयुष सिंह गौड़ सम्मिलित होंगे स्थानीय संघ बनेड़ा के सचिव सुरेश चंद्र शर्मा व समस्त स्टाफ साथियों ने राज्य पुरस्कार में सम्मिलित होने वाले दोनों छात्रों को बधाई दी ।

कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ ने विधानसभा घेराव को लेकर भरी हुंकार

-प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान के नेतृत्व में होगा आंदोलन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, जयपुर में बुधवार को कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यसमिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा भाजपा सरकार की विफलताओं एवं जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी दिनों में प्रस्तावित राजस्थान विधानसभा घेराव को सफल बनाने को लेकर रहा। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार युवाओं, खिलाड़ियों और आम जनता की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज कर रही है। खेल प्रकोष्ठ प्रदेश भर में संगठित होकर विधानसभा घेराव को ऐतिहासिक बनाएगा और भाजपा की जनविरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध करेगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में पूर्व विधानसभा स्पीकर एवं पूर्व आरसीए अध्यक्ष सी.पी. जोशी, लोकसभा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल, आदर्श नगर विधायक रफीक खान, किशनपोल विधायक अमीन काग़ज़ी,

राजस्थान वक़्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. खानू खान बुधवली, राजस्थान महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह, इंटक प्रदेश अध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली, अभाव अभियोग प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष योगिता शर्मा, पूर्व जयपुर शहर जिला अध्यक्ष आर.आर. तिवारी, राजस्थान कांग्रेस कमेटी महासचिव सीताराम बैरवा सहित प्रदेश भर से आए कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस महत्वपूर्ण बैठक में बारां जिले से भी कांग्रेस प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। बारां से जाकिर मंसूरी उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी, शाहिद इक़बाल भाटी जिलाध्यक्ष कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ, सत्येन्द्र कुमार गोयल सचिव कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ राजस्थान, महेंद्र कुमार योगी सदस्य कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ सहित अन्य कांग्रेसजन कार्यक्रम में शामिल हुए। बारां से पहुँचे प्रतिनिधियों ने कहा कि विधानसभा घेराव को लेकर बारां जिले से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जयपुर पहुँचेंगे और आंदोलन को ऐतिहासिक बनाया जाएगा।

ईएलसी के माध्यम से आयोजित हुए निर्वाचन साक्षरता उत्सव

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा के निर्देशन में श्रीमती मोहिनी देवी गौरीदत्त सिंगी सरस्वती बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में मंगलवार को निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) के तत्वावधान में निर्वाचन साक्षरता उत्सव का आयोजन किया गया। संस्था प्रधान सरिता शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नोडल प्रभारी मीनू जलंधरा के नेतृत्व में विद्यालय में ईएलसी के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को मतदान के अधिकार एवं उसके महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। उन्होंने छात्राओं को लोकतंत्र में मतदान की भूमिका समझाई तथा उन्हें सक्रिय रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी

प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को मेमेंटो, दुपट्टा आदि देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सोमवार का जिले के बीदसर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दूंकर ईएलसी क्लब के माध्यम से इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाषण, पोस्टर, रंगोली एवं निर्वाचन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं हुई तथा विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता नाटक के माध्यम से मतदान करने का संदेश दिया। अतिथियों ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। ईएलसी प्रभारी संदीप कुमार शर्मा ने क्लब की गतिविधियों में उपलब्धियां की जानकारी दी। इस दौरान अंबिका चौधरी, संदीप कुमार शर्मा, सुखदेव स्वामी, ईश्वर सिंह, बुद्धमल मेघवाल, रुपाराम भामू, कुशलनाथ सिद्ध, रामनिवास भामू, मांगीलाल भामू, दूलनाथ सिद्ध, जितेंद्र भामू, पूनम यादव, ओमप्रकाश, धर्मचंद, गोपीचंद, अनीता, दीपचंद, संजय नाई, हर्षित गर्ग, रचना, किरण, गोपाल खेरिया, रजनीश आर्य आदि उपस्थित रहे।

खेड़ली प्रीमियर लीग सीजन 2026 के फाइनल में शानदार पारी खेलने वाले फैजान शेख का दानालपुर में सम्मान

हनीस शेख

हिण्डोन सिटी/दानालपुर (रॉयल पत्रिका)। खेड़ली प्रीमियर लीग सीजन 2026 के फाइनल मुकाबले में कुतकपुर टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले फैजान शेख का दानालपुर में सम्मान किया गया। फाइनल मैच में फैजान शेख ने 20 गेंदों पर 49 रन की तेज़ और प्रभावशाली पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। फाइनल मुकाबले में जब कुतकपुर टीम दबाव में थी, उस समय फैजान शेख ने जिम्मेदारी संभालते हुए आक्रामक बल्लेबाज़ी का शानदार नमूना पेश किया। उनकी इस पारी में दमदार शॉट्स, बेहतरीन

टाइमिंग और आत्मविश्वास साफ नजर आया। फैजान की बल्लेबाज़ी ने दर्शकों और क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया। फैजान शेख की इस यादगार पारी के लिए दानालपुर में आयोजित सम्मान समारोह में खेल प्रेमियों और ग्रामीणों ने उनकी जमकर सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे प्रदर्शन न केवल टीम का मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित भी करते हैं। कुतकपुर टीम के लिए खेड़ली प्रीमियर लीग 2026 में फैजान शेख का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। सम्मान समारोह के दौरान यह भी कहा गया कि आने वाले टूर्नामेंट में फैजान से इसी तरह के शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। फाइनल मैच में खेली गई फैजान शेख की 49 रनों की पारी कुतकपुर टीम के लिए गर्व का विषय बनी हुई है और उनका यह प्रदर्शन क्षेत्रीय क्रिकेट में एक यादगार लम्हे के रूप में दर्ज हो गया है।

मदरसा रजविया बरकातुल औलिया का सालाना जलसा संपन्न

बारां (रॉयल पत्रिका) । अहले सुन्नत वल जमाअत शहर बारां द्वारा संचालित मदरसा रजविया बरकातुल औलिया का सालाना जलसा पवन मेटल्स की पीछे स्थित मदरसे में रात 8 बजे बड़ी शानो शौकत के साथ मनाया गया। प्रोग्राम की शुरुआत समिति के अध्यक्ष हाफिज समीर राजा ने कुरआन की आयत से की। नात खां रऊफ मेव ने नबी की शान में नात पेश कर प्रोग्राम आगे बढ़ाया। प्रोग्राम का संचालन अपने बेहतरीन अंदाज में शिक्षा से जुड़े पूर्व सदर मोहम्मद आबिद देशवाली ने किया। तंजीम के प्रेस प्रवक्ता ज़ोई अलिफ अंसारी ने बताया कि प्रोग्राम में सबसे अहम मौजू इल्म रहा। जिसकी अहमियत का जिक्र करते हुए इसे सीखने सिखाने पर सबसे ज्यादा तकरीर हुई। मदरसे के प्रतिभावान बच्चों को माला पहनकर हौसला अफजाई की गई साथ ही उन्हें सर्टिफिकेट से नवाजा गया। प्रोग्राम में मोहतमिम अब्दुल कय्यूम, मुन्ना बाबा, हाजी मोहम्मद शफी, अधिवक्ता फिरोज खान, रईस उद्दीन शेख, इरफान अशरफी, कदीर मिर्जा, अलीम भाई, माजिद भाई, बच्चों के वालिदेन सहित कई लोग उपस्थित रहे। उस्ताद-ए- आला सलाम कादरी ने मदरसे का खर्च व आमद का हिसाब किताब पेश कर प्रोग्राम के आखिर में मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

राजस्थान नर्सेज यूनियन कोटा की टीम के प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से की मुलाकात

नई दिल्ली/कोटा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान नर्सेज यूनियन मेडिकल कॉलेज कोटा की टीम (RNU) अध्यक्ष दीपक शर्मा के नेतृत्व में अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के निमंत्रण पर पार्लियामेंट भ्रमण एवं नर्सेज की ज्वलंत मांगो के सम्बन्ध मे नई दिल्ली स्थित लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आवास पर पहुंची। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने उनके आवास पर उनसे मुलाक़ात कर कोटा मे नर्सेज कॉलोनी के आवंटन, कोटा मे नर्सेज एवं अन्य संवर्ग के नये पदो के सृजन एवं अन्य मांगो के सम्बन्ध मे वार्ता की,

साथ ही प्रदेश नेतृत्व के साथी जो राजस्थान के अलग अलग जिलों से पहुंचे उनके द्वारा नर्सेज हेतु अलग निदेशालय की स्थापना, प्रत्येक जिले के अंदर नर्सेज के अतिरिक्त नए पद सृजित करने, नर्सेज भर्ती बोनस से करवाने, हर जिले मे नर्सेज कॉलोनी का आवंटन सहित अन्य मांगो को भी प्रमुखता से रखा गया।

टेबल टेनिस और कैरम के रोचक मुकाबलों में बारां कॉलेज के विद्यार्थियों ने दिखाया अपना दम खम

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजकीय महाविद्यालय बारां में मंगलवार 10 फरवरी 2026 को टेबल टेनिस और कैरम के रोचक मुकाबले हुए। प्राचार्य प्रो मुनेशचंद्र शर्मा ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं प्रतिभाओं को तराश कर आगे लाने में अहम भूमिका निभाती है। खेल प्रभारी सी बी शर्मा की देख रेख मे महाविद्यालय में टेबल टेनिस और कैरम के रोचक मुकाबले देखने को मिले। कैरम प्रतियोगिता प्रभारी असि. प्रोफेसर दीपक कुमार ने बताया कि कैरम प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में बी ए सेमेस्टर फर्स्ट के छात्र निखिल नागर ने प्रथम और बी कॉम सेमेस्टर फर्स्ट के छात्र भविष्य अदलखा ने दूसरा स्थान

प्राप्त किया। छात्रा वर्ग में विनीता कश्यप ने प्रथम व कुमकुम शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टेबल टेनिस प्रतियोगिता प्रभारी असि प्रोफेसर भावना मीणा ने बताया कि टेबल टेनिस में बी कॉम सेमेस्टर फर्स्ट के छात्र महीप गुप्ता ने प्रथम और लक्ष्य पिपलानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर सह आचार्य रामकेश मीना, डॉ. शमशाद अली, डॉ. लीनता अरोड़ा, असी प्रो. सांवराराम,चंदनमल, वी पी सिंह गुर्जर, जितेंद्र पामेचा इत्यादि संकाय सदस्यों ने सहयोग कर प्रतियोगिता को सफल बनाया ।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कृषि, उद्यानिकी एवं कृषि विपणन विभाग की योजनाओं, कार्यक्रमों व गतिविधियों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए समुचित निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार (आपणी योजना) में कृषि, उद्यानिकी एवं कृषि विपणन विभाग की योजनाओं, कार्यक्रमों व गतिविधियों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि विभागीय योजनाओं में प्राप्त लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करवाएं। जिले में फार्म पौण्ड एवं तारबन्दी योजना सहित फ्लैगशिप योजनाओं के लक्ष्य को अतिशीघ्र पूर्ण करने हेतु कार्ययोजना बनाकर काम करें, जिससे जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके। प्रत्येक ब्लॉकवार तथा कृषि पर्यवेक्षक वार योजनाओं की क्रियान्विति की मॉनीटरिंग की जाए तथा अपेक्षित प्रगति लाएं।

उन्होंने मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के संबंध में चर्चा करते हुए

कहा कि कृषक गोष्ठियों एवं प्रशिक्षणों द्वारा कृषकों को मृदा में ऑर्गेनिक कार्बन बढ़ाने हेतु सुपर कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट खाद, हरी खाद एवं गोबर की खाद के उपयोग के बारे में जागरूक करें। इसी के साथ किसानों व पशुपालकों को सुपर कम्पोस्ट इकाई एवं वर्मी कम्पोस्ट इकाई बनाने हेतु प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जिले की लगभग समस्त क्षेत्र की मृदा में जिंक व फेरस जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी पाई गई है। इसलिए कृषकों को अपने खेत की मृदा की जांच मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में करवाकर प्राप्त सॉयल हैल्थ कार्ड में दिए गए सुझाव के अनुसार संतुलित मात्रा में उर्वरक एवं सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे जिंक सल्फेट एवं फैरस सल्फेट आदि के उपयोग हेतु प्रशिक्षण दिया जाए। कृषि (विस्तार) संयुक्त निदेशक कैलाश चन्द्र ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति तथा विभागीय कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान उद्यानिकी उपनिदेशक डॉ. धर्मवीर डूडी, सहायक निदेशक कुलदीप शर्मा, कविता सहित अन्य मौजूद रहे।

राजेश पायलट की 81 वीं जयंती मनाई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि,सेवा कार्य के जरिए किया याद

हनीस शेख

सपोटरा (रॉयल पत्रिका)। लोकप्रिय किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 81 वीं जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तस्वीर पर पुष्प व माला अर्पित कर उन्हें नमन किया। यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष दिनेश गुर्जर ने बताया कि सपोटरा विधानसभा के गांव रत्तीपुरा में राजेश पायलट की जयंती मनाई गई जिसमें कांग्रेस डाटा एनालिसिस के राष्ट्रीय संयोजक विशाल मीणा खूबपुरा मुख्य अतिथि रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि पायलट किसानों के मसीहा थे। युवाओं को रोजगार, महिला उत्थान व किसानों की उन्नति के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये जिसे हमें भूला नहीं सकते है। आज हम उनकी जयंती के अवसर पर उनके देश के विकास में दिए गए योगदान को स्मरण करते हैउन्होंने कहा कि पायलट

के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पायलट ने हमेशा देश और समाज की सेवा को प्राथमिकता दी और युवाओं को राजनीति में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और पायलट के आदर्शों पर चलने तथा जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान दिनेश गुर्जर खाडेपुरा, रामहरि गुर्जर, दिलीप, सुरेश बैरवा, मलखान राजेंद्र बैरवा, हरि सिंह गुर्जर, सुरेंद्र खूबपुरा, नरेश गुर्जर, विमल गुर्जर खाडेपुरा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पायलट के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इंसानियत एकता सेवा समिति करती है- इंसानियत की सेवा - करामत खान अदिब

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। इंसानियत एकता सेवा समिति, चूरू जिले की रजिस्टर्ड संस्था है। जो कि चूरू सहित सम्पूर्ण शेखावाटी क्षेत्र में पिछले छ: वर्षों से लगातार सामाजिक सरोकार में अपना अहम और नुमायां किरदार अदा कर रही है। जैसे ज़रूरतमंद लोगों को राशन मुहैया करवाना, दवाइयां फराहम करवाना, ज़रूरतमंद बच्चियों की शादी में इमदाद करना, सख्त ज़रूरतमंद लोगों के मकान तामीर में इमदाद करना, ज़रूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाना, कॉम्पिटिशन एग्जाम देने के लिए चूरू आने वाले परीक्षार्थियों के लिए ठहरने व खाने की व्यवस्था करना, सर्दी के मौसम में असहाय व ज़रूरतमंद लोगों को ऊनी वस्त्र

व रज़ाई वितरित करना, साथ ही पूरी सर्दी में रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान संचालित कर जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित करना, गर्मी के मौसम में आमजन के लिए शहर में प्याऊ स्थापित करना तथा पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर पानी का इंतेज़ाम करना, बारिश के मौसम में पौधरोपण करना, मेडिकल कैम्प व ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित करना, सार्वजनिक स्थानों पर सीमेंटेड बेंच स्थापित करना। उपरोक्त कार्यों के अलावा दीगर नेक काम अंजाम देकर सामाजिक सरोकार में समिति अपनी बेहतरीन भूमिका निभा रही है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष ने मोबाईल वैन को दिखाई हरी झण्डी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सवाई माधोपुर के तत्वावधान में विधिक सहायता एवं सचल लोक अदालत मोबाईल वैन वाहन संख्या आर.जे. 14 पीसी 7573 को सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर देवेन्द्र दीक्षित द्वारा हरी झण्डी दिखाकर जिला न्यायालय परिसर सवाई माधोपुर से रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम ने बताया कि जिले में जिला मुख्यालय सहित अधीनस्थ तालुकाओं गंगापुर सिटी, बामनवास एवं बौंली में 26 जनवरी से 15 फरवरी तक मोबाईल वैन का संचालन किया जा रहा है, जिसके तहत जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर पर स्थित गांवों में मोबाईल वैन का संचालन दो दिवसों के लिए किया जाएगा। प्रथम दिवस 9 फरवरी को जिला न्यायालय परिसर से शेरपुर, खिलचीपुर, रांवल, कुंडेरा, श्यामपुरा, भूरी पहाड़ी में मोबाईल वैन का संचालन किया जाकर विधिक सेवा योजनाओं, निशुल्क विधिक सहायता, बालविवाह रोकथाम, मध्यस्थता के माध्यम से विवादों के निस्तारण एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में प्रचार-प्रसार किया जायेगा। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश पोक्सो न्यायालय मीनाक्षी जैन, न्यायाधीश मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण सुंदरलाल बंशीवाल, विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी न्यायालय असीम कुलश्रेष्ठ, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गार्गी चौधरी, प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड अंकिता सिंहल, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट राजवीर कौर, अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-01 किरण प्रजापत सहित न्यायिक कर्मचारीगण, अधिवक्तागण व अन्य आमजन उपस्थित रहे।

संतोष कुमार पाखर को आईटी सेल प्रभारी नियुक्त करने पर जश्न का माहौल

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग की प्रदेश अध्यक्ष माननीया श्रीमती ममता भूपेश, जिला अध्यक्ष धन्ना लाल बैरवा, महआ पूर्व विधायक ओम प्रकाश हुडला, मंडावर एससी ब्लॉक अध्यक्ष माननीय रामचन्द्र प्रधान और जिला महासचिव अशोक कुमार पाख, की अनुशंसा पर संतोष कुमार पाखर को आईटी सेल प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर महुआ क्षेत्र वासियों में खुशी की लहर है। लोगों ने संतोष कुमार पाखर को माला व सुवाफा पहनाकर और मिठाइयों से मुंह मीठा कराकर जोरदार स्वागत किया। इस मौके

पर नन्दलाल लोको पायलट, राजकुमार रामगढ़, काडूराम नागरवाल, राहुल उज्जैनवाल, जगदीश ठेकेदार, जिला सचिव दौलत सिंह खेडली, वेद प्रकाश गुर्जर, प्रदीप कुमार बैरवा, मन्नू पटेल, सतीश वेदवाल आदि लोग मौजूद थे। संतोष कुमार पाखर ने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी तरह से निभाएंगे और आईटी सेल को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने उन्हें इस पद पर नियुक्त करने के लिए समर्थन दिया है।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने जिला कारागृह का किया निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी, द्वारा आज जिला कारागृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 78 बन्दी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले। दौराने निरीक्षण सचिव भाटी द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बन्दी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इसके लिए सचिव भाटी द्वारा कारागृह में बन्दीगण को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। साथ ही ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में

बताया। सचिव भाटी द्वारा बंदियों से वार्तालाप कर समस्याओं के बारे में पूछा तथा नवआगन्तुक बंदियों से वार्तालाप कर वक्त घटना/आरोपित अपराध के समय उनकी आयु के संबंध में जानकारी ली गई। सभी बन्दी की ओपीडी के समय में स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा इमरजेन्सी होने पर बन्दीगण को राजकीय बांगड़ अस्पताल पाली रेफर किया जाता है। दौराने निरीक्षण जोराराम कुमावत कारापाल जिला कारागृह पाली, रविंद्र परिहार मेलनर्स जेल डिस्पेंसरी पाली, अल्ताफ हुसैन सहायक जेल विजिटिंग लॉयर्स तथा इंटर्नशिप करने आए पुनित गोरा विधि विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

VVAN में फोकलोर डांस सीक्वेंस की तैयारी? मुंबई में साथ नजर आ सकती है सिद्धार्थ-तमन्ना की जोड़ी

VVAN ने अपने घोषणा के दिन से ही सभी की उत्सुकता बढ़ा दी है। बालाजी टेलीफिल्म्स और द वायरल फीवर जैसे दो मजबूत क्रिएटिव पावरहाउस की यह मेगा कोलैबोरेशन फिल्म को खास बनाती है। फोकलोर और सांस्कृतिक कथाओं की दुनिया में उतरने जा रही यह फिल्म अपने जॉनर के चलते भी लगातार चर्चा और एक्साइटमेंट बढ़ा रही है। जहां फिल्म की झलक ने पहले ही दर्शकों को बांध लिया है, वहीं VVAN को लेकर चर्चा लगातार तेज़ होती जा रही है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, लीड एक्टर्स जल्द ही शहर में एक विज़ुअली रिच फोकलोर डांस सीक्वेंस की शूटिंग कर सकते हैं। चूंकि फिल्म फोकलोर जॉनर में गहराई से उतरती है, ऐसे में लीड जोड़ी का एक खास डेडिकेटेड सीक्वेंस में साथ आना फिल्म की थीम को खूबसूरती से और मज़बूत कर सकता है। इसके अलावा VVAN आने वाले बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक के तौर पर इसलिए भी खास है, क्योंकि यह अरुणाभ कुमार की TVF और एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स जैसे दो कंटेंट पावरहाउस की ऐतिहासिक साझेदारी को दर्शाता है। इस कोलैबोरेशन से दमदार कहानी और हाई प्रोडक्शन वैल्यू की उम्मीद की जा रही है। खास बात यह भी है कि इसके साथ TVF फीचर फिल्मों की दुनिया में कदम रख रही है। फोकलोर जॉनर पर फोकस के साथ VVAN भारतीय सिनेमा में एक दुर्लभ और दिलचस्प पेशकश बनकर उभर रही है, जो उस दुनिया को लेकर उत्सुकता और बढ़ा देती है, जिसे फिल्म सामने लाने वाली है।

सोफी चौधरी

एक्टिंग छोड़ सिंगिंग को बनाया अपना करियर

बॉलीवुड की चकाचौंध किसी को भी अपनी तरफ खींच लेती है, और यही कारण है कि अभिनेत्री बनने का सपना लिए कई लड़कियां और मॉडल बी-टाउन में कदम रखती हैं। कुछ अभिनेत्रियों की फिल्में पर्दे पर छा जाती हैं, तो कुछ चुनिंदा फिल्मों में काम करने के बाद एक्टिंग से दूरी बना लेती हैं। ऐसी ही एक सिंगर और अभिनेत्री सोफी चौधरी हैं, जो आज फिल्मों से दूर हैं लेकिन फिर भी फिल्मों से ज्यादा पैसा कमा रही हैं। सोफी को बचपन से ही सिंगिंग से प्यार था और उनकी आवाज की प्रतिभा को 12 साल की उम्र में ही पहचान मिल गई थी। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई करने वाली सोफी के म्यूजिक करियर को पहला ब्रेक संगीत निर्देशक बिद्दू अप्पैया ने दिया और उन्होंने अलीशा चिनॉय जैसी सिंगर्स के साथ काम किया। पॉप म्यूजिक को अपनी आत्मा मानने वाली सोफी साल 2000 में इंटरनेशनल पॉप बैंड संसारा का हिस्सा रहीं और कई स्टेज परफॉर्मेंस दिए, लेकिन यहां वे ज्यादा समय तक काम नहीं कर पाईं, जिसके बाद उन्होंने खुद के सिंगल एल्बम गाने और फीचर करने का फैसला लिया। सोफी ने 90 के दशक के गाने 'सजन में नाचूंगी' को रीमेक किया। ये गाना खूब पसंद किया गया क्योंकि गाने में पुराने लिरिक्स के साथ पॉप म्यूजिक का तड़का लगाया गया था। इसके बाद उन्होंने 'सोफी एंड डॉक्टर लव', 'बेबी लव', 'एक परदेसी मेरा दिल ले गया', और 'साउंड ऑफ सोफी' जैसे एल्बम रिलीज किए। उन्होंने बप्?पी लहिरी और ऋषि रिच जैसे सिंगर्स के साथ काम किया। म्यूजिक की दुनिया में नाम कमाने के बाद उन्होंने रियलिटी शोज को भी होस्ट किया और वहीं से उनके लिए फिल्मों के रास्ते आसानी से खुल गए।अभिनेत्री ने 'शादी नंबर 1', 'प्यार के साइड इफेक्ट्स', 'हे बेबी' और 'वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई दोबारा' में काम किया। हालांकि फिल्मों में सोफी को पहचान तो मिली लेकिन वे लीड एक्ट्रेस बनने से चूक गईं। आज भी सोफी अपने एल्बम सॉन्ग की वजह से बहुत पॉपुलर हैं। उनके कई गाने बैक-टू-बैक रिलीज हो रहे हैं और वे अरबपतियों की शादी और फंक्शन भी होस्ट करती हैं।

स्वयंभू का होगा पैन-इंडिया टीज़र लॉन्च, 11 फरवरी को दो शहरों में की जाएगी मेगा एक्टिविटी!

स्वयंभू पहले ही 2026 की सबसे ज़्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। ऐलान के साथ ही फिल्म ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया था। एक भव्य ऐतिहासिक फिल्म के तौर पर पेश की जा रही स्वयंभू में कार्तिकेय स्टार निखिल सिद्धार्थ लीड रोल में नजर आएंगे, जिन्हें बड़े पर्दे पर बिल्कुल नए और दमदार अवतार में देखने के लिए दर्शक बेहद उत्साहित हैं। फिल्म में संयुक्ता और नाभा नतेश भी अहम भूमिकाओं में हैं, जो इस प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही हैं। इस उत्साह के बीच, जहां दर्शक बेसब्री से टीज़र का इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं मेकर्स इसके लिए एक खास और अनोखा लॉन्च प्लान कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, स्वयंभू की टीम टीज़र को दो बड़े शहरों में लॉन्च करने जा रही है, एक नॉर्थ में और दूसरा साउथ में जिससे फिल्म के पैन-इंडिया प्रमोशन की शुरुआत होगी। फिल्म का टीज़र 11 फरवरी को रिलीज़ किया जाना तय है। स्वयंभू एक दमदार और अनुभवी क्रिएटिव टीम के साथ बन रही है, जिसमें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन टेक्नीशियन और क्रिएटर्स शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन भारत कृष्णमाचारी कर रहे हैं, वहीं संगीत की ज़िम्मेदारी केजीएफ और सालार के लिए मशहूर रवि बसुरु संभाल रहे हैं। सिनेमैटोग्राफी के लिए केके सेंथिल कुमार जुड़े हैं, जिनका बाहुबली और RRR में किया गया काम विज़ुअल्स के नए पैमाने तय कर चुका है।

विपुल अमृतलाल शाह की द केरल स्टोरी 2 का इमोशनल ट्रैक 'ओ माई री' हुआ रिलीज़

श्रेया घोषाल की आवाज ने छुआ दिल

द केरल स्टोरी 2 - गोज़ बियॉन्ड का टीज़र पहली फिल्म से कहीं ज़्यादा शार्प और इंटेंस नज़र आता है। नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की परेशान करने वाली कहानी दिखाती है, जिनके किरदार उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया निभा रही हैं। तीनों की ज़िंदगी उस वक्त अंधेरे में उतरने लगती है, जब वे तीन मुस्लिम युवकों के साथ रिश्ते में आती हैं। जो कहानी प्यार से शुरू होती है, वह धीरे-धीरे एक साजिश भरे और डरावने सच को उजागर करती है, जिसका केंद्र धार्मिक धर्मांतरण है। जहां फिल्म को लेकर उत्साह लगातार चरम पर पहुंच रहा है, वहीं इसी बीच फिल्म का बेहद भावुक गीत 'ओ माई री' रिलीज़ किया गया है, जिसने दर्शकों को भावनात्मक रूप से झकझोर कर रख दिया है। मां और बच्चे के अटूट रिश्ते को समर्पित बेहद भावुक गीत 'ओ माई री' रिलीज़ हो चुका है। श्रेया घोषाल की आवाज़ में उतरा यह गाना दिल को सीधे छू जाता है। मन्नन शाह की सोलफुल कंपोज़िशन और मनोज मुंतशिर के भावनाओं से भरे बोल इस गीत को और भी खास बना देते हैं। यह गाना उस अपनापन, सुरक्षा और बेशर्त प्यार को महसूस कराता है, जो हर मां के दिल में बसता है। एक ऐसी धुन जो खत्म होने के बाद भी मन में गूंजती रहती है और सुकून भरे पलों में किसी हल्के से आलिंगन की तरह आपको अपने भीतर समेट लेती है। इसके अलावा 'ओ माई री' विपुल अमृतलाल शाह और श्रेया घोषाल की एक और यादगार जादुई पेशकश है। इससे पहले भी इस जोड़ी ने कई खूबसूरत गाने दिए हैं, जिनमें फोर्स (2011) का 'मैं चली', एक्शन रिप्ले (2010) के 'ओ बेख़बर', 'बाकी मैं भूल गई' और 'तेरा मेरा प्यार' जैसे ट्रैक्स शामिल हैं, जिन्हें आज भी लोग बेहद पसंद करते हैं।टीज़र में गूंजता डायलॉग ही फिल्म की असली आत्मा और तेवर बता देता है- 'अब सहेंगे नहीं... लड़ेंगे! ''द केरल स्टोरी' के जबरदस्त असर के बाद, जिसने अपनी बेबाक कहानी से पूरे देश को झकझोर दिया था, इसका सीक्वल और भी आगे जाने का वादा करता है- कम्फर्ट ज़ोन से बाहर, खामोशी से परे और इनकार से आगे। कामख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी 'द केरल स्टोरी 2 - गोज़ बियॉन्ड' को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि आशिन ए शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसे को-प्रोड्यूस किया है। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इवेंट में ब्लैक ड्रेस में नजर आई सोनम कपूर शेयर की खास पलों की झलकियां

अभिनेत्री सोनम कपूर इन दिनों दूसरी बार मां बनने को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन गर्भावस्था में भी अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल जिंदगी से कोई समझौता नहीं कर रही हैं। वे लगातार इवेंट्स में हिस्सा ले रही हैं और अपनी फैशनेबल स्टाइल से सभी का ध्यान खींच रही हैं। अभिनेत्री हाल ही में एक आयोजन में शामिल हुईं। इसकी कुछ झलकियां उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। अभिनेत्री ने अपने फैशन को बरकरार रखते हुए ब्लैक कलर की ड्रेस पहनी है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, 'एक ऐसी शाम, जहां शब्द सोच-समझकर चुने गए, खामोशियों को सांस लेने की जगह मिली और बातचीत दिखावा नहीं, बल्कि खोज जैसी लगी। क्लब में किरण देसाई की मेजबानी करते हुए मुझे फिर एहसास हुआ कि साहित्य में आज भी हमें थाम लेने, धीरे चलने और चुपचाप हमारे साथ रह जाने की ताकत है। 'फैंस को सोनम का पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में अभिनेत्री के फैशन सेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं।भले ही सोनम की फिल्में काफी समय से नहीं आ रही हैं, लेकिन वे फैशन शो में अक्सर जाती रहती हैं, और इन दिनों भी वे कई कार्यक्रमों में गई थीं, जहां अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखी थी। सोनम को 2023 में फिल्म 'ब्लाइंड' में देखा गया था। क्राइम थ्रिलर फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया गया था। इसमें अभिनेत्री ने एक अंधी पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई थी। हालांकि, फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

दिव्यांका त्रिपाठी

एक्टिंग ही नहीं पढ़ाई में भी नंबर 1,राइफल शूटिंग में गोल्ड मेडलिस्ट

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी अपनी एक्टिंग और अपनी खूबसूरती से अक्सर लोगों को अपना दीवाना बनाती रहती है। एक्ट्रेस इसके अलावा पढ़ाई में भी रही हैं टॉपर। दिव्यांका त्रिपाठी ने पॉपुलर सीरियल 'ये है मोहब्बतें' में इशिता भल्ला का किरदार निभाकर लोगों के दिल में एक खास जगह बनाया है। इसके अलावा खूबसूरत के साथ-साथ दिव्यांका पढ़ाई में भी काफी तेज रही है। ये है मोहब्बतें सीरियल से घर-घर मशहुर हुई एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी। वो बचपन से ही पढ़ने में काफी तेज तरार थीं। वे पढ़ाई के अलावा एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में भी पार्टिसीपेट करती थीं। दिव्यांका ने अपनी स्कूल की पढ़ाई भोपाल के कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल से की। उसके बाद उन्होंने भोपाल के ही सरोजिनी नायडू गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। एक्ट्रेस ने स्कूल के दौरान ऑल इंडिया रेडियो का एक एपिसोड भी होस्ट किया जिसका उनहे 800 रुपये भी मिले थे। इसके अलावा उत्तराखंड के नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग उत्तरकाशी से पर्वतारोहण का भी कोर्स कर चुकी है। एक्ट्रेस के पिता चाहते थे की वे एनसीसी में पार्टिसीपेट करे, इतना ही नहीं दिव्यांका भी सपना हमेशा से आर्मी ऑफिसर बनना था। दिव्यांका भोपाल के राइफल एकेडमी से राइफल शूटिंग की ट्रेनिंग ली और गोल्ड मेडल भी जीत चुकी है।

आमिर खान के मुरशिदाबाद विज़िट की असली वजह आई सामने, फिल्म 'एक दिन' में हुई अरिजीत सिंह की एंट्री

साई पल्लवी और जुनैद खान स्टारर फिल्म 'एक दिन' का टीज़र कुछ दिन पहले रिलीज़ हुआ था और जादुई रोमांटिक थीम और लीड जोड़ी की केमिस्ट्री के लिए इसे खूब प्यार मिला। इस फिल्म को सुनील पांडे ने डायरेक्ट किया है, इसे मंसूर खान, आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है और यह 1 मई को रिलीज़ होगी।आमिर खान प्रोडक्शंस ने आधिकारिक तौर पर ऐलान किया है कि अरिजीत सिंह अपनी आवाज़ अपकमिंग फिल्म एक दिन के लिए देंगे, जिससे इस बहुप्रतीक्षित म्यूज़िकल कोलैबोरेशन की शुरुआत हो गई है। प्रोडक्शन हाउस के मुताबिक, आमिर खान ने खुद अरिजीत सिंह के साथ इस गाने पर काम किया। यह म्यूज़िक सेशन अरिजीत के होमटाउन में हुआ। इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे जब अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से दूरी बनाने की घोषणा के बाद आमिर खान उनसे मिलने पहुंचे थे। कई लोगों का मानना था कि आमिर उन्हें वापसी के लिए मनाने गए हैं। अब इन अटकलों पर विराम लग गया है, क्योंकि यह मुलाकात वाकई इसी प्रोजेक्ट के लिए थी। अरिजीत सिंह अब एक दिन में अपनी आवाज़ देने जा रहे हैं। एक बार फिर इस आइकॉनिक जोड़ी को साथ देखने-सुनने को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्सुकता है, खासकर तब जब दोनों पहले कई सुपरहिट गाने दे चुके हैं।सोशल मीडिया पर यह खबर शेयर करते हुए लिखा गया, 'एक दिन के म्यूज़िक में इतनी भावना और दिल जोड़ने के लिए धन्यवाद अरिजीत। ' ससके अलावा एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान पहली बार साथ नजर आएंगे और दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर काफी चर्चा है। इस मैजिकल लव स्टोरी में जुनैद एक थोड़े अजीब से लड़के की भूमिका में दिखेंगे, जबकि साई पल्लवी एक नेचुरली कॉन्फिडेंट लड़की के किरदार में नजर आएंगी।

(साभार एजेंसी)

किम कर्दाशियन और हैमिल्टन ने रिश्ते पर लगाई मुहर? कैमरे में कैद हुई केमिस्ट्री

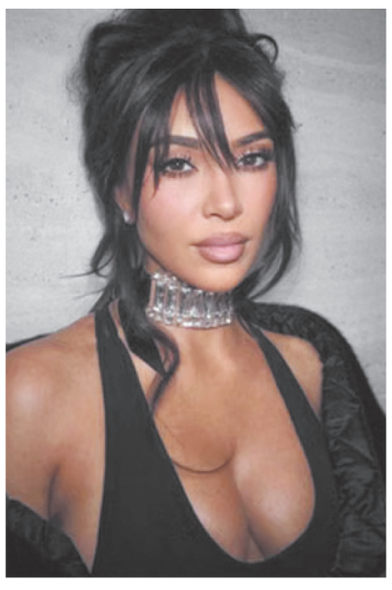

कैलिफॉर्निया। सुपर बाउल एलएक्स में किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन की साथ मौजूदगी ने उनके रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं को नई हवा दे दी। यूरोप में साथ वक्त बिताने की खबरों के बाद यह पहली बड़ी सार्वजनिक उपस्थिति थी। फिलहाल दोनों ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन तस्वीरें बहुत कुछ कह रही हैं।

सुपर बाउल एलएक्स के दौरान एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने एंटरटेनमेंट दुनिया में हलचल मचा दी। किम कर्दाशियन और फॉर्मूला-वन स्टार लुईस हैमिल्टन कैलिफोर्निया के सांता क्लारा स्थित लेवीज स्टेडियम में मैच का आनंद लेते हुए साथ दिखाई दिए।

इंटरनेशनल ब्रॉडकास्ट में दोनों को साथ देखकर रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों ने और जोर पकड़ लिया। कई वर्षों से दोस्त रहे किम (45) और हैमिल्टन (41) को पहली बार इस तरह आधिकारिक अंदाज में साथ देखा गया तो फैंस कहने लगे कि दोनों ने अपना रिश्ता लगभग ऑफिशियल कर दिया है। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो गए, जिनमें दोनों बातचीत करते और मुस्कुराते नजर आए।

लुक ने भी खींचा ध्यान

इस खास मौके पर किम ने ब्लैक कोट और डायमंड चोकर पहना था। उन्होंने नए बैंग्स हेयरस्टाइल के साथ एंट्री ली। उनके हेयरस्टाइलिस्ट क्रिस एपलटन ने मैच से पहले फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'सुपर बाउल बैंग्स।'

यूरोप ट्रिप से बढ़ीं चर्चाएं

रिपोर्ट्स के मुताबिक सुपर बाउल से पहले दोनों यूरोप में भी साथ वक्त बिता चुके हैं। वे कॉट्सवॉल्ड्स के एस्टेल मैनर में ठहरे, जहां प्राइवेट डिनर की खबरें भी सामने आईं। इसके बाद लंदन और फिर पेरिस तक उनका सफर चला। द सन से बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, 'किम और लुईस दोनों के काम के शेड्यूल बहुत व्यस्त हैं, इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा समय साथ बिताना चाहते हैं। अभी वे अलग नहीं हो पा रहे और किम के काम के हिसाब से डेट्स प्लान कर रहे हैं।'

किम ने रिश्तों पर क्या कहा था

हाल ही में बहन क्लो कर्दाशियन के पॉडकास्ट पर किम ने रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की थी। उन्होंने कहा, 'अच्छे संस्कार और मूल्य, शांत स्वभाव, भरोसेमंद और जिम्मेदारी लेने वाला इंसान। मेरे लिए यह सबसे अहम है।' उन्होंने अपने बच्चों को प्राथमिकता बताते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे बच्चों को मेरी जरूरत है। हर रात मैं उन्हें सुलाती हूं, सुबह उठाती हूं, स्कूल भेजती हूं। मेरे पास वक्त नहीं रहा और मैं इससे ठीक हूं।'

अभी तक चुप्पी

हालांकि वायरल तस्वीरों और बढ़ती अटकलों के बीच किम और लुईस, दोनों ने ही अपने रिश्ते पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन फैंस बेहद उत्सुक हैं।

अर्जुन कुच्छल ने श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ ट्रॉफी जीती

कपिल देव, मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित 143 गोल्फर टूर्नामेंट में शामिल हुए

जयपुर (एजेंसी)। अर्जुन कुच्छल ने यहां आयोजित श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप 2026 में ओवरऑल ग्रॉस विनर रोलिंग ट्रॉफी जीती है। इस गोल्फ टूर्नामेंट में भारतीय टीम के

पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव, पूर्व क्रिकेटर मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित करीब 143 गोल्फर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों और हैंडीकैप कैटेगरी के विजेताओं एवं उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कई क्षेत्रों से जुड़े गोल्फरों ने भाग लिया। प्रतियोगिता स्टेबलफोर्ड - सिंगल पियोरिया फॉर्मेट में खेली गई। हैंडीकैप श्रेणियों में उपविजेता के रूप में 0-9 कैटेगरी में दीप करन सिंह, 10-18 कैटेगरी में योगेंद्र सिंह, तथा 19-24 कैटेगरी में योगेंद्र गोटेवाल रहे।

वहीं हैंडीकैप श्रेणियों में विजेताओं में 0-9 कैटेगरी में हिमांशु सिंह, 10-18 कैटेगरी में देवेंद्र राजावत, तथा 19-24 कैटेगरी में अंकुर ठाकुर शामिल रहे। वेटरन गोल्फर अवॉर्ड डॉ. बसंत खेतान ने जीता जबकि लेडी गोल्फर का खिताब विम्मी भाटिया को मिला। इस अवसर पर कपिल देव ने कहा गोल्फ के प्रति इतना उत्साह और सभी प्रतिभागियों में खेल भावना देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है। श्री पी. एम. रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप जैसे आयोजन न केवल खेल को बढ़ावा देते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को एक मंच पर भी लाते हैं। मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं और आने वाले वर्षों में इस टूर्नामेंट को और आगे बढ़ते देखने के लिए उत्साहित हूं।

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया

टीम ने इस वर्ल्डकप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, जॉर्ज मुन्से का अर्धशतक

कोलकाता (एजेंसी)। स्कॉटलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। सोमवार को ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने डेब्यू कर रही इटली टीम को 73 रन से शिकस्त दी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। टारगेट का पीछा करते हुए इटली की टीम 17.4 ओवर में 9 विकेट खोकर 134 रन ही बना सकी। इटली के कप्तान वेन मैडसेन कंधे में चोट के कारण बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं

● लीस्क का ऑलराउंड परफॉर्मेंस - स्कॉटलैंड की जीत में ओपनर जॉर्ज मुन्से की अर्धशतकीय पारी अहम रही। मुन्से ने 84 रन बनाए, जबकि उनका विकेट ग्रांट स्टीवर्ट ने लिया, जो इटली के टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का पहला विकेट भी रहा। इटली की टीम इस टूर्नामेंट के जरिए पहली बार वर्ल्ड कप में उतरी है। मुन्से के अलावा ब्रैंडन मैकमुलेन ने नाबाद 41 रन बनाए और माइकल जोन्स ने 37 रन का योगदान दिया। वहीं, माइकल लीस्क ने महज 5 गेंदों पर नाबाद 22 रन ठोके और गेंदबाजी में भी 4 विकेट झटके। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्कॉटलैंड की पारी की नींव मुन्से और जोन्स के बीच पहले विकेट के लिए हुई 126 रन की शानदार साझेदारी ने रखी।

दोनों टीमों की प्लेइंग

स्कॉटलैंड : जॉर्ज मुन्से, माइकल जोन्स, ब्रैंडन मैकमुलेन, रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस (विकेटकीपर), मार्क वॉट, माइकल लीस्क, ओलिवर डेविडसन, ब्रैड व्हील, ब्रैड करी।

इटली : एंथोनी मोस्का, जस्टिन मोस्का, जेजे स्मट्स, वेन मैडसेन (कप्तान), हैरी मैनेंटी, बेन मैनेंटी, ग्रांट स्टीवर्ट, जियान पिएरो मीडे (विकेटकीपर), क्रिसन कलुगामागे, थॉमस ड्राका, अली हसन।

मैनेंटी ब्रदर्स के बीच अर्धशतकीय साझेदारी

इटली के लिए बेन मैनेंटी (28 साल) ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 31 बॉल पर 52 रन बनाए। उनके अलावा उनके छोटे भाई हैरी मैनेंटी (25 साल) ने 37 रन की पारी खेली। दोनों भाइयों के बीच चौथे विकेट 46 बॉल पर 73 रन की पार्टनरशिप हुई। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लीस्क ने 4 विकेट झटके। मार्क वॉट ने 2 विकेट लिए। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील और ओलिवर डेविडसन को 1-1 विकेट मिला।

भांबरी-धाक्षिणेश्वर की मैराथन डबल्स जीत

नई दिल्ली। युकी भांबरी और धाक्षिणेश्वर सुरेश ने रविवार को खेले गए डेविस कप क्वालिफायर्स राउंड-1 मुकाबले में नीदरलैंड्स के खिलाफ रोमांचक डबल्स मैच जीतकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। भारतीय जोड़ी ने तीन घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में डेविड पेल और सैंडर आरेंड्स को 7-6 (0), 3-6, 7-6 (1) से हराया। कप्तान रोहित राजपाल का एन. श्रीराम बालाजी की जगह धाक्षिणेश्वर को उतारने का फैसला निर्णायक साबित हुआ। 1-1 की बराबरी के बाद दोनों टीमें बढ़त हासिल करने के लिए बेताब थीं और यह मैच धैर्य, मानसिक मजबूती और दबाव में संयम की कड़ी परीक्षा बन गया।

पहला सेट

पहले सेट में भांबरी की सर्विस लगातार दबाव में रही, खासकर सातवें गेम में जब उनके पहले सर्विस ने साथ छोड़ दिया। 30-ऑल पर डबल फॉल्ट से डच जोड़ी को ब्रेक प्वाइंट मिला, लेकिन भांबरी ने सटीक रिटर्न से खतरा टाल दिया। इसके बाद धाक्षिणेश्वर ने गेम प्वाइंट पर आसान बैकहैंड वॉली चूक दी और आरेंड्स के अटपटे लेकिन असरदार ओवरहेड स्मैश से मेहमान टीम को फिर मौका मिला, मगर भारतीय जोड़ी ने किसी तरह गेम बचा लिया। 11वें गेम में भारत को पांच ब्रेक प्वाइंट झेलने पड़े, लेकिन भांबरी और धाक्षिणेश्वर ने सभी खतरे टालते हुए सर्विस बचाई, जिससे दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। आखिरकार सेट टाईब्रेक में पहुंचा, जहां भारतीय जोड़ी ने गियर बदलते हुए बिना एक भी अंक गंवाए टाईब्रेक अपने नाम कर लिया।

दूसरा सेट

दूसरे सेट में मैच का रुख बदल गया। पेल की सर्विस पर भारतीय टीम मौके नहीं भुना सकी, जबकि भांबरी की डबल फॉल्ट से नीदरलैंड्स को अहम ब्रेक मिला। आरेंड्स ने शानदार बैकहैंड वॉली रिटर्न विनर लगाकर बढ़त बनाई और डच जोड़ी ने सेट जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरा सेट

निर्णायक सेट में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। भारत को शुरुआती ब्रेक के कई मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। धाक्षिणेश्वर ने दबाव में शानदार खेल दिखाते हुए ब्रेक प्वाइंट बचाया। मैच का निर्णायक मोड़ तब आया जब आरेंड्स ने बाएं हाथ की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उनकी सर्विस की धार कम हो गई, जिसका फायदा उठाकर भारतीय जोड़ी ने आखिरकार नियंत्रण हासिल किया और टाईब्रेक में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने टाई में 2-1 की अहम बढ़त बना ली है। अब रिवर्स सिंगल्स में सुमित नागल का सामना जेस्पर डी यॉन्ग से होगा, जबकि इसके बाद धाक्षिणेश्वर सुरेश का मुकाबला गाय डेन ओडन से तय है।

इटली में बायएथलॉन मिक्सड रिले में रजत पदक जीतने के बाद उत्साहित होती हुई इटली की टोमाको गियाकोमिल।

भारत के तेजस्विन ने एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

● पूजा, तजिंदरपाल को रजत

● पांच पदक जीतकर छठे स्थान पर रहा भारत

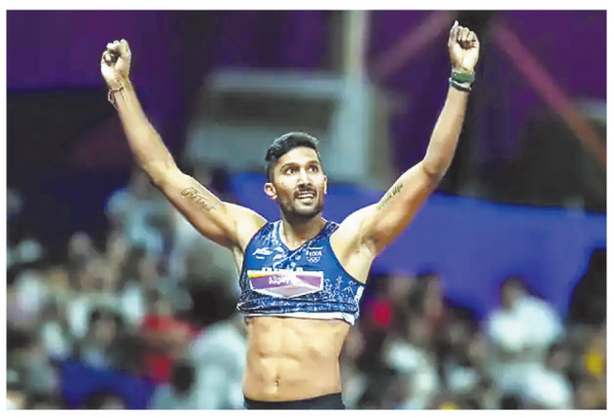

तिआनजिन (एजेंसी)। भारत के तेजस्विन शंकर ने चीन में आयोजित एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। शंकर ने पुरुषों की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ ही भारतीय दल ने इस टूर्नामेंट में कुल पांच पदक जीते हैं। इस प्रकार भारतीय को पदक तालिका में छठा स्थान मिला है। वहीं मेज़बान चीन ने कुल 10 स्वर्ण, 11 रजत और 13 कांस्य पदक 34 पदक के साथ ही पहला स्थान हासिल किया है। तेजस्विन ने हेप्टाथलॉन में कुल 5993 अंकों के साथ ही स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंडोर रिकॉर्ड भी तोड़ा। इससे पहले उनका सबसे अधिक स्कोर 5650 अंक का था, ये उन्होंने साल 2021 में अमेरिका में बनाया था।शंकर ने इस टूर्नामेंट में पहले दिन से ही बढ़त हासिल कर ली। जो दूसरे दिन भी जारी रखी। उन्होंने 60 मीटर बाधा दौड़ के साथ ही पोल वॉल्ट और 1000 मीटर दौड़ में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया।

वहीं भारत की ही पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.87 मीटर छलांग लगाकर रजत जबकि तजिंदरपाल सिंह तोर ने पुरुषों की शॉट पुट में 20.05 मीटर गोला फेंककर रजत पदक हासिल किया। एंसी सोजन ने लंबी कूद में 6.21 मीटर छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। शॉट पुट स्पर्धा में चीन के चेंगयू चेन ने 20.07 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं भारत के समरदीप सिंह गिल लंबी कूद में 18.97 मीटर छलांक लगाकर पांचवें स्थान पर रहे।महिलाओं की लंबी कूद में भारत की मौमिता मंडल ने 6.01 मीटर की छलांग लगाकर छठा स्थान प्राप्त किया।

भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने पीसीबी ने रखीं शर्तें

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप मैच में खेलने को लेकर सौदेबाजी शुरु कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि वह भारत के खिलाफ विश्व कप में खेल सकता है पर उसकी तीन मांगों को पूरा करना होगा। पीसीबी को पता है कि आईसीसी इन मांगों को मानने तैयार नहीं होगा। उसकी मांग है कि बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के लिए बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाए। बांग्लादेश को विश्वकप में भाग न लेने के बाद भी पार्टिसिपेशन फीस और 3- भविष्य के आईसीसी टूर्नामेंट्स के लिए पाकिस्तान को मेजबानी का अधिकार दिया जाए। इस रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी आईसीसी के सामने 2 मांगें रखी है। पहली मांग ये कि मुआवजा दो और दूसरी मांग ये कि आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी दो।

वहीं आईईसीसी के इस प्रकार की

सौदेबाजी के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। इससे पहले पाक ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भी टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी थी जब भारतीय खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से मना कर दिया था। इस बाद उसने पूरा टूर्नोमेंट खेला था। वहीं बांग्लादेश को पहले ही विश्वकप से बाहर कर दिया है। ऐसे में आईसीसी के उसे मुआवजा देने का सवाल भी नहीं उठाता है। आईसीसी ने हालांकि लाहौर में बीसीबी के अधिकारियों से बातचीत की। वहीं ये भी कहा जा रहा है पीसीबी में भी बोर्ड प्रमुख मोहसिन नकवी के प्रति नाराजगी है। नकवी केंद्रीय गृह मंत्री भी हैं। नकवी जहां भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर अड़े हुए हैं वहीं पीसीबी के कुछ अधिकारी चाहते हैं कि पाकिस्तान को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच खेलना चाहिए।

नकवी से मिले आईसीसी उपध्यक्ष ख्वाजा, भारत-पाक मैच होने की उम्मीदें बनीं

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार के फैसले को वापस ले सकता है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी की लाहौर में रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा से मुलाकात के बाद ये विवाद सुलझने की संभावना बढ़ गयी है। इसके लिए एक बैठक यहां के गद्दाफी स्टेडियम में हुई है। पाक मूल के ख्वाजा आईसीसी में सिंगापुर का प्रतिनिधित्व करते हैं और पीसीबी पर उनकी अच्छी पकड़ है। बोर्ड में एसोसिएट सदस्य निदेशक के तौर पर उनके पास वोटिंग का अधिकार भी है। आईसीसी बोर्ड ने ख्वाजा को एक मध्यस्थ के रूप में रखा है। बोर्ड के अनुसार ख्वाजा पिछले कुछ समय से नकवी के संपर्क में हैं।

इटली में खेल सुविधाएं नहीं होने से इंग्लैंड गये थे जसबीर

चेन्नई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप के लिए इटली की टीम में शामिल तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह मूल रुप से भारत के पंजाब के रहने वाले हैं। जसप्रीत का परिवार कई साल पहले इटली चला गया था। जसप्रीत के अनुसार उनके लिए यहां खेलना आसान नहीं था क्योंकि इटली में क्रिकेट लोकप्रिय नहीं है। ऐसे में खेल के लिए बेहतर सुविधाएं नहीं थीं। इस कारण उन्हें एक स्थानीय बर्गमो क्रिकेट क्लब से जुड़ना पड़ा। यहां साधारण सुविधा थी। उसकी प्रतिभा को देखते हुए लोगों ने उसे क्रिकेट कौशल को निखारने इंग्लैंड जाने को कहा। इसके बाद वह बर्मिंघम पहुंच कर खेलने लगे। यहां उन्होंने टैक्सी चालक का भी काम किया। जसप्रीत ने कहा, जब मैं बच्चा था तो भारत में क्रिकेट खेलता था और जब मैं इटली गया तो मैं वही करना चाहता था पर जब मैं इटली गया तो वहां क्रिकेट नहीं था, कोई सही स्टेडियम या ग्राउंड नहीं थे, जैसे मैंने पंजाब में देखे थे। बर्मिंघम एवं जिला प्रीमियर लीग में खेलने वाले 32 वर्षीय जसप्रीत ने कहा, जब मुझे इसके बारे में पता चला तो मैं इंग्लैंड जाकर वहां खेलने लगा क्योंकि वहां टर्फ विकेट थे और खर्चों को पूरा करने के लिए मैंने टेक्सी चलाना शुरू किया।

मैंडलसन-एप्स्टीन संबंधों के खुलासे के बाद ब्रिटेन में सियासी संकट

खतरे में स्टार्मर की कुर्सी

» लंदन, भाषा।

अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत रहे पीटर मैंडलसन और अपराधी जेफ्री एप्स्टीन के संबंधों का खुलासा होने के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। वह लेबर पार्टी को मनाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह महज डेढ़ साल के कार्यकाल के बाद उन्हें पद से न हटाए। रविवार को स्टार्मर के मुख्य सचिव को पद से हटा दिया गया। इसके अलावा वह लेबर पार्टी के सांसदों का समर्थन भी खोते जा रहे हैं। वह पार्टी में अपनी खोई हुई साख को फिर से हासिल करने के लिए सोमवार को लेबर पार्टी के सांसदों को संबोधित करेंगे।

यह राजनीतिक विवाद एप्स्टीन से संबंध होने की बात जानते हुए भी मैंडलसन को 2024 में राजनयिक रूप से सबसे अहम देश माने जाने वाले अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत नियुक्त करने के स्टार्मर के फैसले से जुड़ा है। स्टार्मर ने कुछ ईमेल के जरिए मैंडलसन की एप्स्टीन से दोस्ती की बात सामने आने के बाद सितंबर में उन्हें पद से हटा दिया था। ए ईमेल 2008 के यौन उत्पीड़न मामलों में एप्स्टीन को दोषी ठहराए जाने के बाद प्रकाशित हुए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि स्टार्मर को समझ से काम लेते हुए 72 वर्षीय मैंडेलसन को नियुक्त नहीं करना चाहिए था, जिनका नाम पहले ही कई विवादों और घोटालों में सामने आ चुका था। अमेरिका में जारी की गई नई एप्स्टीन फाइल में दोनों के संबंधों से जुड़े और अधिक विवरण सामने आए हैं, जिसके बाद स्टार्मर पर दबाव बढ़ गया है। स्टार्मर ने मैंडलसन के झूठ पर यकीन करने के लिए पिछले ससप्ताह माफी मांगी थी। उन्होंने मैंडलसन की नियुक्ति से संबंधित दस्तावेज जारी करने का वादा किया था। सरकार का कहना है कि इन दस्तावेजों से पता चलेगा कि मैंडलसन ने किस तरह अधिकारियों को एप्स्टीन से अपने संबंधों के बारे में गुमराह किया था। स्टार्मर के मुख्य सचिव मॉर्गन मैकस्वीनी ने मैंडलसन की नियुक्ति की जिम्मेदारी लेते हुए रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, मैंने प्रधानमंत्री को वह नियुक्ति करने की सलाह दी थी और मैं उस सलाह की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। साल 2020 में स्टार्मर के लेबर पार्टी के नेता बनने के बाद से मैकस्वीनी उनके सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं। वह जुलाई 2024 में लेबर पार्टी की बड़ी चुनावी जीत के प्रमुख रणनीतिकार माने जाते हैं। हालांकि, पार्टी के अंदर कुछ लोग इसके बाद हुई कई चूक के लिए उन्हें जिम्मेदार मानते हैं। लेबर पार्टी के कुछ पदाधिकारियों को उम्मीद है कि मैकस्वीनी के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री को पार्टी और देश का विश्वास दोबारा हासिल करने के लिए समय मिलेगा। वरिष्ठ सांसद एमिली थॉर्नबेरी ने कहा कि मैकस्वीनी एक विभाजनकारी शख्सियत बन गए थे और उनके जाने से नए सिरे से शुरुआत का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि स्टार्मर काफी मजबूत और स्पष्ट दृष्टिकोण वाले नेता हैं। लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने अब तक जितना किया है, उससे थोड़ा और आगे बढ़ने की जरूरत है। वहीं, कुछ अन्य लोगों का कहना है कि मैकस्वीनी के जाने से स्टार्मर कमजोर और अलग-थलग पड़ गए हैं। विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी की नेता केमी बैडनॉक ने कहा कि स्टार्मर ने एक के बाद एक गलत फैसले किए हैं और फिलहाल वह पद पर कायम रहने लायक नहीं है। ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली के तहत, प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय चुनाव कराए बिना बदला जा सकता है। यदि स्टार्मर को चुनौती दी जाती है या वह इस्तीफा देते हैं, तो लेबर पार्टी के नेतृत्व के लिए चुनाव आयोजित होगा। चुनाव जीतने वाला व्यक्ति प्रधानमंत्री बन जाएगा। कंजर्वेटिव पार्टी के शासन में 2019 से 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के बीच तीन बार प्रधानमंत्री बदले गए।

यहूदी-विरोधी हमले की जगह पर पुष्पांजलि अर्पित की

इजराइल के राष्ट्रपति ने सिडनी के बॉन्डी बीच हमला स्थल का दौरा किया, पीड़ित परिवारों से मिले

» मेलबर्न, भाषा।

इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया की राजकीय यात्रा की शुरुआत करते हुए सिडनी के बॉन्डी बीच में हुए यहूदी-विरोधी हमले की जगह पर पुष्पांजलि अर्पित की और पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात की। इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई थी। हर्जोग ने 14 दिसंबर को बॉन्डी बीच में आयोजित एक यहूदी उत्सव के दौरान हुए हमले के पीड़ित परिवारों और जीवित बचे लोगों से मुलाकात की। हमले के बाद पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो कथित हमलावरों में से एक मारा गया था। दूसरे आरोपी नवीन अकरम पर आतंकवादी हमला करने, 15 लोगों की हत्या और 40 अन्य को घायल करने का आरोप है।

यह घटना पिछले 29 वर्षों में ऑस्ट्रेलिया की सबसे घातक सामूहिक गोलीबारी बताई जा रही है। राष्ट्रपति हर्जोग ने बॉन्डी पैविलियन में पुष्पचक्र अर्पित किया और यरुशलम से लाए गए दो पत्थर भी वहां रखे। उन्होंने कहा कि ये पत्थर पीड़ितों की स्मृति में वहीं रहेंगे तथा यह संदेश देंगे कि सभी धर्मों और देशों के अच्छे लोग आतंकवाद, हिंसा एवं नफरत के खिलाफ एकजुट रहेंगे। हर्जोग ने संवाददाताओं से कहा, बॉन्डी बीच हमले की खबर से हम भीतर तक हिल गए थे। मैं यहां एकजुटता, मित्रता और प्रेम व्यक्त करने आया हूं। उन्होंने कहा कि यह यात्रा इजराइल और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों को और मजबूत करने का अवसर भी है, क्योंकि दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों को साझा करते हैं। राष्ट्रपति के बॉन्डी दौरे के दौरान कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए। इमारतों की छतों पर पुलिस स्नाइपर तैनात थे। हर्जोग अपनी पत्नी मिशाल हर्जोग के साथ ऑस्ट्रेलिया आए हैं और वे मेलबर्न एवं राजधानी कैनबरा का भी दौरा करेंगे। बृहस्पतिवार को उनके इजराइल लौटने की संभावना है। हर्जोग ने कहा कि बॉन्डी हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा यहूदी-विरोधी गतिविधियों से निपटने के लिए उठाए गए कदम सकारात्मक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों में इस तरह की नफरत की लहर देखी जा रही है, जिनमें ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है।

थाईलैंड : चुनाव में सत्तारूढ़ भुमजैथाई पार्टी सबसे आगे, रूढ़िवादी राजनीति की वापसी का संकेत

बैंकॉक, (भाषा)। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल की सत्तारूढ़ भुमजैथाई पार्टी आम चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतने की ओर अग्रसर है। सोमवार को लगभग 94 प्रतिशत मतदान केंद्रों के परिणाम आने के बाद देश के निर्वाचन आयोग ने अनाधिकारिक परिणामों में यह जानकारी दी। यह पिछले कई वर्षों में किसी रूढ़िवादी दल की पहली निर्णायक जीत मानी जा रही है। रविवार को चुनाव ऐसे समय में हुए जब देश की आर्थिक वृद्धि धीमी और राष्ट्रवादी भावनाएं उफान पर हैं। मतदान लगभग 65 प्रतिशत दर्ज किया, जो 2023 के चुनावों की तुलना में काफी कम है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के अनुसार, 500 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में भुमजैथाई पार्टी को करीब 193 सीटें मिल सकती हैं। सदन में 400 सदस्य प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचन क्षेत्रों से चुने जाते हैं, जबकि 100 सदस्य पार्टी सूची में से मनोनयन प्रणाली के तहत चुने जाते हैं। प्रधानमंत्री के चुनाव के लिए 251 सीटों का साधारण बहुमत आवश्यक होता है। आंकड़ों से संकेत मिलता है कि भुमजैथाई पार्टी को सरकार गठन के लिए एक या दो सहयोगी दलों की जरूरत पड़ेगी, जिसके बाद अनुतिन के दोबारा प्रधानमंत्री बनने की संभावना है। प्रगतिशील पीपुल्स पार्टी को सबसे अधिक सीटें मिलने का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन वह 118 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। पार्टी ने बैंकॉक की सभी सीटों और आसपास के प्रांतों में बहुमत हासिल किया। पार्टियों के कुल मतों में भी पीपुल्स पार्टी को भुमजैथाई से लगभग 38 लाख अधिक वोट मिले। पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की फ्यू थाई पार्टी 74 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रही। इसे उस दल के लिए निराशाजनक प्रदर्शन माना जा रहा है, जो पहले कई चुनावों में प्रभावशाली रहा है। माना जा रहा है कि यदि आमंत्रण मिला तो फ्यू थाई, भुमजैथाई के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में शामिल हो सकती है। अनुतिन पिछले वर्ष सितंबर से प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने दिसंबर में संसद भंग कर नए चुनावों की घोषणा की थी, जब उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की आशंका जताई जा रही थी। चुनाव प्रचार के दौरान उनका जोर राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक प्रोत्साहन पर रहा। एक थिंक टैंक से जुड़े विश्लेषक ने कहा कि हालांकि नतीजे शुरुआती सर्वेक्षणों से अलग रहे, लेकिन भुमजैथाई पार्टी की जीत पूरी तरह अप्रत्याशित नहीं थी।

हांगकांग के पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को 20 साल कारावास की सजा

हांगकांग, (भाषा)। हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज एवं चीन के मुखर आलोचक जिमी लाई को सोमवार को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई गई। लाई को चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराया गया था। यह इस कानून के तहत अब तक दी गई सबसे लंबी सजा है। इस कानून ने हांगकांग में असंतोष की आवाजों को लगभग पूरी तरह दबा दिया है। लाई को विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत कर राजद्रोहपूर्ण लेख प्रकाशित करने की साजिश रचने का दोषी पाया गया। उन पर एप्पल डेली के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य लोगों के साथ मिलकर, हांगकांग या चीन के खिलाफ प्रतिबंध लगाने या उनके विरुद्ध अन्य शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल होने का विदेशी ताकतों से आग्रह करने का आरोप लगाया गया है। अब बंद हो चुके एप्पल डेली अखबार के संस्थापक लाई (78) को इस मामले में अधिकतम आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती थी। लाई को इस मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई है। लाई के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है। उनके सह-आरोपियों को छह साल तीन महीने से लेकर 10 साल कारावास तक की जेल की सजा मिली है। सजा सुनाए जाने के समय लाई मुस्कुराए और अपने समर्थकों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। जब उनसे पूछा गया कि वह इस फैसले को चुनौती देंगे तो उनके वकील रॉबर्ट पैंग ने कहा कि वे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। लाई के खिलाफ कार्रवाई की कुछ विदेशी सरकारों ने आलोचना की है। लाई चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक रहे हैं और उन्हें 2020 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

पुर्तगाल में चुनाव में अनोखी पहल के तहत बच्चों ने भी किया मतदान, काल्पनिक किरदार बने उम्मीदवार

» लिस्बन, भाषा।

पुर्तगाल में रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों पर एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। अपने माता-पिता के साथ एक मतदान केंद्र पर पहुंचे बच्चों को भी मतदान करने का मौका दिया गया, हालांकि उनके मतपत्रों पर असली उम्मीदवारों के नाम नहीं थे। बच्चों के लिए बनाए गए खास मतपत्रों पर सुपर माारियो और रोब्लॉक्स जैसे लोकप्रिय काल्पनिक किरदारों के नाम थे। अभिभावकों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस कवायद से बच्चों को लोकतंत्र के बारे में सीखने का मौका मिलेगा। राजधानी लिस्बन के एक मतदान केंद्र ने बच्चों के लिए यह अनोखी पहल की, ताकि लोकतंत्र का पहला पाठ किताबों से नहीं बल्कि अनुभव से सिखाया जा सके। माना जा रहा है कि पुर्तगाल में चुनाव के दौरान पहली बार ऐसा प्रयोग किया गया और दुनिया के किसी अन्य देश में अभी ऐसा नहीं किया गया है। बच्चों के लिए बनाए गए मतपत्र पर लिखा था, अपने पसंदीदा किरदार को वोट दीजिए। आठ वर्षीय आर्तुर की मां कैटरीना बारबोसा ने इसे अपने बेटे के लिए सीखने का अच्छा अनुभव बताया।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा उसे साथ लाती हूं ताकि उसे प्रोत्साहन मिले। मैं चाहती हूं कि जब वह 18 साल का हो, तो घर पर सोफे पर बैठा न रहे बल्कि वोट डालने जरूर आए। यह मजेदार है क्योंकि इस तरह उसे भी लगता है कि वह मतदान कर रहा है और नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। आर्तुर ने बताया कि वह मतपत्र पर मौजूद सभी किरदारों को पहचानता है। नौ वर्षीय जोआओ और 11 साल की कैरोलिना के पिता जोआओ डियास ने भी बच्चों को वोट डालने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, बच्चों के लिए जरूरी है कि वे छोटी उम्र से ही जिम्मेदारी समझना शुरू करें, ताकि जब वे बड़े हों तो अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझ सकें।

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचाडो के करीबी सहयोगी का जेल से रिहा होने के बाद अपहरण

» काराकस, भाषा।

वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने सोमवार को कहा कि उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक जुआन पाब्लो गुआनिपा का जेल से रिहा होने के कुछ ही घंटों बाद अपहरण कर लिया गया है। सरकार ने राजनीतिक रूप से प्रेरित लंबी हिरासत के बाद रविवार को कई विपक्षी सदस्य रिहा किए थे, जिनमें गुआनिपा भी शामिल थे। मचाडो ने सोशल मीडिया पर बताया कि गुआनिपा का मध्यरात्रि के आसपास राजधानी काराकस के एक आवासीय इलाके से अपहरण कर लिया गया। मचाडो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चार वाहनों में सादे कपड़ों में आए भारी हथियारबंद पुरुषों ने उन्हें हिंसक तरीके से अगवा कर लिया।

हम उनकी तुरंत रिहाई की मांग करते हैं। विपक्षी नेताओं की रिहाई ऐसे समय में हुई है जब कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार पर उन सैकड़ों लोगों को रिहा करने का दबाव बढ़ रहा है जिनकी गिरफ्तारी महीनों या वर्षों पहले उनकी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ी हुई थी। यह रिहाई संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के प्रतिनिधियों की वेनेजुएला यात्रा के बाद हुई है। सरकार के प्रेस कार्यालय ने सोमवार तड़के इस मामले पर टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। पूर्व गवर्नर गुआनिपा ने अपनी रिहाई के बाद पत्रकारों से कहा था, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश पूरी तरह बदल चुका है। अब हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें। गुआनिपा आठ महीने से अधिक समय तक जेल में रहे।

मोरक्को में मार्टा तूफान के कारण आई भीषण बाढ़ से चार की मौत

» रबात, (मोरक्को), भाषा।

उत्तरी मोरक्को में अचानक आई बाढ़ के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कई दिनों से यहां भारी बारिश और लबालब भर चुके बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ के हालात बने हुए हैं।

ऐसे में लोगों को निकालने के लिए व्यापक स्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। गृह मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया कि राजधानी रबात से करीब 270 किमी दूर स्थित ततुआन गांव में एक कार के बहने से तीन नाबालिगों और 30 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई।

नेपाल चुनाव: झापा में बालेन बनाम ओली से सियासी संग्राम तेज

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल में पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव से कुछ सप्ताह पहले झापा निर्वाचन क्षेत्र में सियासी संग्राम तेज हो गया है, जहां काठमांडू के पूर्व महापौर बालेंद्र शाह बालेन का मुकाबला अपदस्थ प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से है। लोकप्रिय रैपर से नेता बने एवं राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रधानमंत्री पद के चेहरे बालेन रविवार को कोशी प्रांत के झापापांच निर्वाचन क्षेत्र पहुंचे जबकि कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सवादीलेनिनवादी) के अध्यक्ष ओली दो दिन पहले ही इस निर्वाचन क्षेत्र में घरघर जाकर चुनाव प्रचार अभियान शुरू कर चुके हैं।

ओली ने झापा जिले से अब तक सात में से छह बार संसदीय चुनाव जीते हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार को भारी अंतर से हराया था। नेपाल की राजनीति पर करीबी नजर रखने वाले वरिष्ठ मानवाधिकार कार्यकर्ता चरण प्रसाई ने कहा, हालांकि इस बार ओली के लिए मुकाबला ज्यादा कठिन होगा। उन्हें पिछले साल सितंबर में जेन-जेड आंदोलन के दौरान इस्तीफा देना पड़ा था। जेन जेड उस पीढ़ी को कहा जाता है जो 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई है। यह वह युवा वर्ग है जो तकनीक, इंटरनेट और सोशल मीडिया के साथ बड़ा हुआ है। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध में जेन-जेड समूह के हिंसक प्रदर्शनों के बाद नौ सितंबर को ओली ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 12 सितंबर को सुशीला कार्की अंतरिम प्रधानमंत्री बनीं और उन्होंने राष्ट्रपति से प्रतिनिधि सभा भंग कर पांच मार्च को आम चुनाव कराने की सिफारिश की। आरएसपी सूत्रों के अनुसार, रविवार को बालेन ने कम से कम 12 स्थानों का दौरा किया और घरघर जाकर प्रचार किया। बालेन ने पहले ही पारंपरिक दलों को सीधे चुनौती देने और प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है इसीलिए वह ओली के गढ़ माने जाने वाले झापा-पांच से खड़े हैं। नेपाल पुलिस सूत्रों के अनुसार, जैसेजैसे चुनाव प्रचार तेज हो रहा है, झापा जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हालांकि, इस सीट से अन्य राजनीतिक दलों के भी उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला ओली और बालेन के बीच माना जा रहा है।

उत्तरी नाइजीरिया में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 30 लोगों की मौत

कानो (नाइजीरिया), (भाषा)। उत्तरी नाइजीरिया में एक ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। प्राधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कानो के गवर्नर के कार्यालय के एक बयान के अनुसार, लापरवाही से वाहन चला रहे ट्रक चालक ने कानो के गेजावा स्थानीय सरकारी क्षेत्र के क्वानार बार्डे कस्बे में एक राजमार्ग पर ट्रक से नियंत्रण खो दिया जिससे कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। ट्रक रविवार तड़के कानो के गुजुंगु कस्बे की ओर कुछ यात्रियों और सामान को ले जा रहा था तभी वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कानो के गवर्नर अब्बा कबीर यूसुफ के प्रवक्ता सुनुसी बतुरे दावाकिन तोफा द्वारा जारी बयान के अनुसार, कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बयान में कहा गया, गवर्नर ने इस घटना को हृदयविदारक और न केवल प्रभावित परिवारों बल्कि पूरे कानो राज्य के लोगों के लिए एक बड़ी क्षति बताया।

इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने वेस्ट बैंक पर नियंत्रण मजबूत करने के कदमों को मंजूरी दी

» यरुशलम, भाषा।

इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने वेस्ट बैंक पर अपना नियंत्रण मजबूत करने और फलस्तीनी प्राधिकरण की पहले से ही सीमित शक्तियों को कमजोर करने वाले कदमों को मंजूरी दी। दक्षिणपंथी वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच के कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि ऐसे फैसले लिए गए हैं जिनसे यहूदी बस्तियों के लिए फलस्तीनियों को जमीन छोड़ने के लिए मजबूर करना आसान हो जाएगा। उसने कहा, हम फलस्तीनी राष्ट्र के विचार को खत्म करना जारी रखेंगे। निगरानी समूह पीस नाउ के शोधकर्ता योनातन मिज्राची ने कहा कि इस फैसले को लागू करने के लिए वेस्ट बैंक के लिए इजराइल के शीर्ष कमांडर की मंजूरी की आवश्यकता है।

फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने एक बयान में इस फैसले को खतरनाक और बस्ती विस्तार एवं भूमि अधिग्रहण को वैध बनाने का इजराइल का खुला प्रयास करार दिया। उन्होंने अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से तत्काल हस्तक्षेप करने का आह्वान किया। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने इस फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह अवैध इजराइली संप्रभुता थोपने तथा बस्तियों को मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया निर्णय है। इन कदमों में इजराइली यहूदियों को वेस्ट बैंक की भूमि की बिक्री पर लगे प्रतिबंध को रद्द करना, भूमि अधिग्रहण को आसान बनाने के लिए वेस्ट बैंक भूमि रजिस्ट्री अभिलेखों को सार्वजनिक करना, हेब्रोन में धार्मिक और अन्य संवेदनशील स्थलों पर निर्माण योजना को इजराइली प्राधिकारियों को हस्तांतरित करना तथा फलस्तीनी-प्रशासित क्षेत्रों में पर्यावरण और पुरातात्विक मामलों के इजराइली प्रवर्तन की अनुमति देना शामिल है।

इजराइली सेना ने हमास के एक सहयोगी को किया गिरफ्तार

बेरूत, (भाषा)। दक्षिणी लेबनान में सोमवार तड़के एक अभियान में इजराइली सेना ने फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया। इजराइली सेना और लेबनान की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। लेबनान की सरकारी मीडिया के मुताबिक गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का संबंध एक स्थानीय सुन्नी इस्लामिक समूह से भी था। इजराइली सेना पूछताछ के लिए उसे इजराइल ले गई। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक सोमवार को लेबनान के दक्षिणी गांव यानूह में एक इजराइली ड्रोन ने एक कार पर हमला किया, जिसमें एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। इस हमले पर इजराइल की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। एनएनए एजेंसी के अनुसार, सुन्नी इस्लामिक समूह अल-जमा अल-इस्लामिया के एक स्थानीय अधिकारी अत्वी अत्वी को इजराइल की सीमा से लगे दक्षिणी गांव हेब्बारिह में ले जाया गया। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि इजराइली सैनिकों ने एक लक्षित खुफिया-आधारित अभियान में इस्लामिक समूह के एक अधिकारी को गिरफ्तार किया है।

भारत वर्टिकल टेकऑफ, लैंडिंग विमानों के लिए सबसे अहम भावी बाजारों में से एक : वर्टिकल एयरोस्पेस

सिंगापुर, (भाषा)। ब्रिटिश कंपनी वर्टिकल एयरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) स्टुअर्ट सिंपसन ने भारत को वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग (ईवीटीओएल) विमानों के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण भावी बाजारों में से एक बताया है। ईवीटीओएल विमान ऐसे विमान होते हैं, जिन्हें उड़ान भरने और उतरने के लिए लंबे रनवे की जरूरत नहीं होती और ये हेलीकॉप्टर की तरह वर्टिकल उड़ान भर सकते हैं, हवा में स्थिर रह सकते हैं और सुरक्षित रूप से उतर सकते हैं। सिंपसन ने तीन से आठ फरवरी तक आयोजित सिंगापुर एयरशो-2026 में हिस्सा लेने के बाद सप्ताहांत में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत अपनी बड़ी आबादी, जनसांख्यिकी, आर्थिक वृद्धि और आवागमन संबंधी चुनौतियों के मद्देनजर भविष्य में ईवीटीओएल विमानों के लिए एक बड़ा बाजार साबित हो सकता है। सिंपसन ने को भेजे एक ईमेल में भारतीय बाजार में अपनी कंपनी के लिए मौजूद संभावनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा, हालांकि, स्पष्ट दीर्घकालिक पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है, लेकिन हवाईअड्डों, अंतर-शहरी गलियारों और उभरते आर्थिक क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करने की संभावनाएं मौजूद हैं। सिंपसन ने आने वाले समय में भारत के दुनिया के सबसे बड़े उन्नत हवाई यात्रा बाजारों में से एक बनने की संभावना जताई। उन्होंने कहा, भारत ईवीटीओएल तकनीक के लिए एक स्वाभाविक आजमाइश स्थल है। देश की बड़ी आबादी, जनसांख्यिकी, बढ़ती युवा पीढ़ी, आर्थिक विकास से आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि और कई बड़े शहरों में आवागमन संबंधी चुनौतियां इसकी मुख्य वजहें हैं।

इराक-कुवैत युद्ध के बाद शुरू हुए संयुक्त राष्ट्र के ऑयल फॉर फूड प्रोग्राम में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी

भारतीय-अमेरिकी कार्यपालक अधिकारी को संरा एजेंसी और बहरीन चैंबर का सम्मान

» न्यूयॉर्क, भाषा।

भारतीय-अमेरिकी नौवहन कार्यपालक कार्यकारी और सेफसी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एस. वी. अंचन को वैश्विक समुद्री उद्योग में उनके नेतृत्व और योगदान के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी और बहरीन के प्रमुख उद्योग संगठन ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया है। डॉ. अंचन को संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूनीडो), बहरीन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और वाशिंगटन स्थित एसीई हेल्थ फाउंडेशन की ओर से एसीई ग्लोबल ब्रिजेज 2026 ग्लोबल मैरीटाइम पर्सनैलिटी फॉर परफॉर्मेंस एंड लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार आठ फरवरी को बहरीन चैंबर द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अंचन ने कहा कि वे ऐसे नेताओं के साथ खड़े होकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो संबंधों को मजबूत करने, साझेदारियों को गहरा करने और सार्थक सहयोग बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन उद्योग जगत के नेताओं को और अधिक योगदान देने तथा कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने अवसरों को ठोस परिणामों में बदलने के लिए निरंतर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। अंचन ने बहरीन की अपनी यात्राओं को याद करते हुए कहा कि वर्ष 2001 से उनका देश से जुड़ाव रहा है और उन्होंने इराक-कुवैत युद्ध के बाद शुरू हुए संयुक्त राष्ट्र के ऑयल फॉर फूड प्रोग्राम में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि बहरीन अमेरिका के पांचवें बेड़े और वाणिज्यिक शिपिंग उद्योग के बीच एक अहम कड़ी के रूप में कार्य करता है और अदन की खाड़ी सहित क्षेत्र में जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अंचन ने बहरीन की भौगोलिक स्थिति और मजबूत समुद्री आधार को वैश्विक साझेदारी के लिए अनुकूल बताते हुए कहा कि समुद्री क्षेत्र में देश की संभावनाएं असीम हैं। डॉ. अंचन को पिछले वर्ष एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तहत प्रतिष्ठित अमेरिकन स्टीमशिप ओनर्स म्यूचुअल प्रोटेक्शन एंड इंडेम्निटी एसोसिएशन (अमेरिकन क्लब) के निदेशक मंडल में नियुक्त किया गया था। वे इस 20 सदस्यीय बोर्ड में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय-अमेरिकी कार्यकारी हैं। अमेरिकन क्लब अमेरिका क्षेत्र में स्थित एकमात्र म्यूचुअल पी एंड आई क्लब है, जिसकी स्थापना 1917 में न्यूयॉर्क में हुई थी। तीसरी पीढ़ी के शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के नेता अंचन को तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्हें वर्ष 2016 में भारत सरकार ने शिपिंग प्रवासी अवॉर्ड और नेशनल मैरीटाइम अवॉर्ड फॉर एमिनेंट ओवरसीज मैरीटाइम पर्सनैलिटी से भी सम्मानित किया था। वर्ष 2006 में स्थापित सेफसी ग्रुप संयुक्त राष्ट्र शांति सेना, विश्व खाद्य कार्यक्रम और अमेरिकी सरकार की एजेंसियों सहित कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को शिपिंग और लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com